शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 20, पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 15 फरवरी 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अब अयोध्या में बनेगा सुग्रीव पथ, रामलला का दर्शन होगा आसान

नई दिल्ली

22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुए लगभग एक महीना होने जा रहा है, लेकिन अभी भी रामलला का दर्शन करने वालों की भीड़ कम नहीं हो रही है। रामलला के दर्शन के लिए प्रतिदिन लाखों लोगों की भीड़ आ रही है। इस भीड़ को देखते हुए योगी सरकार ने रामलला के मंदिर तक एक नया पथ बनाकर आवागमन के मार्ग को सुलभ करने का निर्णय लिया है। इसके लिए एक नया कॉरिडोर बनाया जाएगा। सुग्रीव पथ के नाम से बनाए जाने वाले इस कॉरिडोर की लंबाई 290 मीटर होगी। यह हनुमानगढ़ी और राम मंदिर परिसर के बीच भक्तों के आवागमन के लिए एक आयताकार सर्किट के रूप में बनाया जाएगा। इससे भक्तों को राममंदिर तक पहुंचने का मार्ग और ज्यादा सुलभ हो जायेगा। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुमान है कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद से प्रतिदिन लगभग दो से ढाई लाख श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं। इससे लेकर आए दिन जाम की समस्या सामने आ रही है और लोगों को भगवान का दर्शन करने में भी परेशानी आ रही है। इसे देखते हुए योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अयोध्या में सुग्रीव पथ नाम से एक नए कॉरिडोर निर्माण पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है, जिससे भक्तों के लिए दर्शन को सुलभ बनाया जा सके।

11.81 करोड़ की लागत

जानकारी के अनुसार अयोध्या में हनुमानगढ़ी मंदिर से रामजन्मभूमि मंदिर तक बनने वाले सुग्रीव पथ पर लगभग 11.81 करोड़ की लागत आएगी, जिसमें से 5.1 करोड़ का उपयोग भूमि अधिग्रहण के लिए किया जाएगा। कॉरिडोर की चौड़ाई लगभग 17 मीटर होगी। पथ के पांच मीटर दोनों तरफ पैदल मार्ग के विकास के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

असम में कोई विपक्ष नहीं: डॉ. सरमा

गुवाहाटी

असम में अब कोई विपक्ष नहीं है। जो लोग वहां हैं, उनके शरीर कांग्रेस पार्टी के साथ हैं, लेकिन उनका मन भाजपा के साथ है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कही। मुख्यमंत्री बुधवार को असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान सदन से बाहर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और विधायक कमलाक्ष दे पुरकायस्थ और बसंत दास के कांग्रेस के सदस्य होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से भाजपा को समर्थन देने की घोषणा करने के रुख का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी के साथ कोई विधायक नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अबूधाबी में बीएपीएस मंदिर का किया उद्घाटन

मंदिर उद्घाटन के बाद उन्होंने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर में पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यूएई के अबूधाबी स्थित बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन किया। मंदिर उद्घाटन के बाद उन्होंने बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए महंत स्वामी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी को माला पहनाई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने दुनिया भर के 1,200 से अधिक बीएपीएस मंदिरों में एक साथ की गई 'वैश्विक आरती' में भाग लिया। यहां उन्होंने मंदिर में वर्चुअल गंगा, यमुना नदी में जल चढ़ाया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने मंदिर निर्माण में शामिल रहे कारीगरों और मजदूरों से मुलाकात की। यह मंदिर 27 एकड़ में फैला है और इसकी ऊंचाई 108 फीट है। इसके निर्माण में 18 लाख ईंटों का इस्तेमाल किया गया है। दुनिया भर के अन्य सभी बीएपीएस मंदिरों की तरह यह मंदिर हर किसी के लिए खुला है। पारंपरिक नागर शैली में बना यह मंदिर सार्वभौमिक मूल्यों, विभिन्न संस्कृतियों के सद्भाव की कहानियों, अवतारों और हिंदू आध्यात्मिक नेताओं का प्रतिनिधित्व करता है। मंदिर के बाहरी हिस्से में राजस्थान के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। मंदिर के आंतरिक भाग में इटालियन मार्बल का उपयोग किया गया है। मंदिर में केंद्रीय गुंबद - 'सद्भाव का गुंबद' और 'शांति का गुंबद' हैं। सात शिखर, 12 समरन

'मंदिर भारत के देवता हिंदू आध्यात्मिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं'

पीएम ने कहा कि एक गुंबद में पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, पौधे आदि तत्वों की नक्काशी के माध्यम से मानव सह-अस्तित्व और सद्भाव को दर्शाया गया है। मंदिर भारत के उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण भाग के देवता हिंदू आध्यात्मिकता का प्रतिनिधित्व करते हैं । इस प्रकार सभी 7 तीर्थस्थलों में विभिन्न देवता होंगे - भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी

और हनुमानजी भगवान शिव, पार्वतीजी, गणपतिजी, कार्तिकेयजी, भगवान जगन्नाथ, राधा-कृष्ण, श्री अक्षर-पुरुषोत्तम महाराज (भगवान स्वामीनारायण और गुणातीतानंद स्वामी) भगवान तिरूपति बालाजी और पद्मावतीजी भगवान अयप्पाजी। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर में शिवपुराण और 12 ज्योतिर्लिंग उत्कीर्ण हैं। भगवान जगन्नाथ के मंदिर में, जगन्नाथ यात्रा/रथयात्रा अंकित है। भगवान कृष्ण को समर्पित इस मंदिर में भागवत और महाभारत की नक्काशी की गई है।

शिखर जिसको ह्यघुम्मटह्ल कहते हैं। सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरातों के प्रतिनिधि हैं। इसमें 402 खंभे, 25,000 पत्थर के टुकड़े, मंदिर तक जाने वाले रास्ते के चारों ओर 96 घंटियां और गौमुख स्थापित हैं। इसमें नैनो टाइल्स का इस्तेमाल किया गया है, जो गर्मी की मौसम में भी पर्यटकों के लिए चलने में आरामदायक होगी। मंदिर के ऊपर बायीं ओर 1997 में अबू धाबी में मंदिर की कल्पना करने वाले परम पूज्य प्रमुख स्वामीजी महाराज की तस्वीर को एक पत्थर पर उकेरा गया है। मंदिर के ऊपरी दाहिनी ओर उस समय की स्मृति उकेरी गई है जब परम पूज्य महंत स्वामीजी महाराज ने 2019 में आधारशिला रखी थी।

मंदिर में किसी भी प्रकार के लोहे और स्टील का नहीं बल्कि पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। मंदिर में गोलाकार, षटकोणीय जैसे विभिन्न प्रकार के खंभे देखे जा सकते हैं। यहां एक विशेष स्तंभ है, जिसे 'स्तंभों का स्तंभ' कहा जाता है, इसमें लगभग 1400 नक़्क़ाशीदार छोटे स्तंभ बने हुए हैं।

'भगवान राम के मंदिर में रामायण की नक्काशी की गई है'

पीएम ने कहा कि इसी तरह, भगवान स्वामीनारायण, भगवान अयप्पा को समर्पित मंदिर में उनके जीवन, कार्य और शिक्षाओं को अंकित किया गया है। भगवान राम के मंदिर में रामायण की नक्काशी की गई है। मंदिर के आसपास की इमारतें आधुनिक और न्यूनतर हैं। मंदिर के चारों ओर पवित्र नदी की धाराएं निर्मित होती हैं। गंगा नदी मंदिर के दाहिनी ओर जा रही है। यमुना नदी मंदिर के बायीं ओर जा रही है। इन पवित्र नदियों का जल यहां लाया गया है। जहां गंगा नदी गुजरती है वहां वाराणसी जैसा घाट बनाया गया है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर आठ मूर्तियां बनाई गईं हैं, जो आठ मूल्यों का प्रतीक हैं, यानी विश्वास की मूर्ति, दान की मूर्ति, प्रेम की मूर्ति। ये आठ मूर्तियां आठ मूल्य हैं, जिन पर हमारा सनातन धर्म आधारित है। ऐतिहासिक शख्सियतों, संतों और आचार्यों की मूर्तियां हैं, जिन्होंने इन मूल्यों को बनाए रखा है । भारतीय सभ्यता के अलावा अन्य देशों की प्राचीन सभ्यताओं का भी समावेश किया गया है- माया, एज्टेक, इजिप्शियन, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफ़्रीकी सभ्यता शामिल है। सभा हॉल की 3000 लोगों की क्षमता हैं। इसके अलावा सामुदायिक केंद्र, प्रदर्शनियां, अध्ययन और मजलिस कक्ष हैं। मंदिर की विशेषता है कि एक मुस्लिम राजा ने एक हिंदू मंदिर के लिए भूमि दान की है। यहां मुख्य वास्तुकार कैथोलिक ईसाई है। परियोजना प्रबंधक एक सिख थे। संस्थापक डिजाइनर एक बौद्ध हैं। निर्माण कंपनी एक पारसी समूह की है और निर्देशक जैन परंपरा से आते हैं।

ईडी ने छठी बार सीएम अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में चल रही जांच में शामिल होने के लिए नया समन जारी किया है।ईडी ने उन्हें 19 फरवरी को पेश होने के लिए कहा है। इससे पहले भी ईडी पांच समन भेज चुकी है, जिसे मुख्यमंत्री ने नजरअंदाज कर दिया था। ईडी ने 2 फरवरी, 17 जनवरी, तीन जनवरी, 21 दिसंबर और दो नवंबर को केजरीवाल को समन भेजा था, लेकिन दिल्ली सीएम पेश नहीं हुए थे। इससे पहले आम

आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए जवाब में पूछा कि यदि वह आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी नहीं हैं, तो उन्हें समन क्यों जारी किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। ईडी ने पेश न होने पर कोर्ट में अर्जी दी थी। जिस पर कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को समन भेजा है।जिसमें उन्हें 17 फरवरी को कोर्ट में पेश होने को कहा गया है। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केंद्रीय एजेंसी के समन का पालन नहीं करने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की है।

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सीएम को पांच समन भेजे लेकिन केजरीवाल पेश नहीं हुए। जिसके बाद जांच एजेंसी ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और सीएम धामी ने दून एयरपोर्ट टर्मिनल फेज टू का किया शुभारंभ

देहरादून/डोईवाला

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री और मुख्यमंत्री धामी ने बुधवार को दून एयरपोर्ट के फेज 2 टर्मिनल का शुभारंभ किया। फेज टू के शुरू होने पर अब एयरपोर्ट की यात्री क्षमता पहले के मुकाबले करीब 10 गुना बढ़ जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम स्थल और केंद्रीय नागर उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े थे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, ''यह कहना गलत नहीं होगा कि

यह देवभूमि भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए है। देहरादून एयरपोर्ट का एक लंबा इतिहास है। 2004 में देहरादून केवल तीन शहरों से जुड़ा था और अब यह पूरे भारत के 13 शहरों से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास को गति दे रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि हम घरेलू विमानन बाजार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक तरफ हम विमानन सेवाओं का आधुनिकीकरण कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ हम आम आदमी को भी इन सेवाओं का लाभ देने का प्रयास कर रहे हैं''।

हरिद्वार सांसद रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि उत्तराखंड देश के सभी हिमालयी राज्यों में विकास में सबसे आगे है। उत्तराखंड वायु सेवा, रेल सेवा और दूसरे विकास कार्यों में अन्य प्रदेशों से आगे है।

हल्द्वानी: मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की नौ संपत्ति होगी कुर्क

हल्द्वानी

हल्द्वानी सिविल कोर्ट ने हल्द्वानी हिंसा के नामजद मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक, उसके बेटे सहित नौ उपद्रवियों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए हैं। कोर्ट ने सभी नौ आरोपियों पर सीआरपीसी की धारा 82, 83 के तहत करवाई की अनुमति दे दी है। पुलिस ने कोर्ट में आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए आवेदन किया था।

आठ फरवरी को हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद पुलिस ने तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए थे। इसमें 18 लोगों को नामजद किया गया था। इनमें से पुलिस अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक, उसका बड़ा बेटा अब्दुल मोईद और निवर्तमान पार्षद शकील अंसारी सहित तमाम लोग फरार हैं। मंगलवार को सिविल कोर्ट ने सभी नौ आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिए थे। बुधवार को पुलिस दोबारा कोर्ट पहुंची और इन नौ आरोपियों की रिपोर्ट भी पेश की। पुलिस ने इन उपद्रवियों के खिलाफ धारा 83 की तहत कार्रवाई करने की मांग की। कोर्ट ने इसके बाद अब्दुल मलिक, उनके बेटे अब्दुल मोईद, निवर्तमान पार्षद शकील अंसारी, वसीम उर्फ हप्पा, मोकिन सैफी, एजाज अहमद, तस्लीम, जियाउल रहमान और रईस उर्फ दत्तू की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए। पुलिस ने इन सभी की धरपकड़ के प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस इनकी लोकेशन खंगालने के साथ-साथ गिरफ्तारी के लिए भी उनके परिचितों, रिश्तेदारों के घरों में दबिश दे रही है।

बेहमई कांड पर 43 साल बाद आया फैसला, एक को उम्रकैद

कानपुर देहात

बहुचर्चित बेहमई कांड से 43 साल बाद कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया। एंटी डकैती कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अमित मालवीय की अदालत ने दोषी श्यामबाबू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। वहीं एक अन्य आरोपी विश्वनाथ को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया है। इतनी लंबी न्यायिक कार्यवाही के दौरान कई आरोपियों

और गवाहों की मौत हो चुकी है जबकि फैसले के इंतजार में वादी मुकदमा भी दम तोड़ चुका है। फरार तीन आरोपियों को आज तक पुलिस गिरफ्तार ही नहीं कर सकी है। सिकंदरा के बेहमई गांव में 14 फरवरी 1981 को दस्यु फूलन देवी ने सामूहिक नरसंहार की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें 20 लोगों को मौत हो गई थी। वहीं छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मामले में गांव के ही वादी राजाराम ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिसकी सुनवाई एंटी डकैती कोर्ट में चल रही थी।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता गिरीश नारायण दुबे के अनुसार 24 नवंबर 1982 तक मामले में 15 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी उनके खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिए गए थे।

तापस ड्रोन' को लेकर भारतीय नौसेना और वायुसेना ने दिखाई रुचि

नई दिल्ली

भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित मध्यम ऊंचाई वाले लंबे सहनशक्ति वाले 'तापस ड्रोन' में खास रुचि दिखाई है। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन की क्षमताओं और सेवाओं में इसकी भूमिका के बारे में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ चर्चा की गई। इस दौरान ड्रोन की क्षमताओं के विस्तार पर खुलकर चर्चा की गई। ड्रोन को लेकर अधिकारियों ने कहा कि डीआरडीओ द्वारा दो तापस ड्रोन को अंडमान और निकोबार द्वीप क्षेत्र में परीक्षण के लिए भारतीय नौसेना को सौंपने की भी संभावना है। अधिकारी ने बताया अगर परीक्षण सफल होते है, तो 10-12 ड्रोन के ऑर्डर दिए जा सकते हैं।

किसानों के भारत बंद को सरकारी कर्मियों का मिला साथ

8वें वेतन आयोग और डढर से इंकार पर हैं नाराज

नई दिल्ली

संयुक्त किसान मोर्चा 'एसकेएम' की तरफ से 16 फरवरी को 'भारत बंद' का आह्वान किया गया है। एसकेएम के अधिकांश घटक दल, राष्ट्रव्यापी बंद में शामिल होंगे। अब किसानों के भारत बंद को सरकारी कर्मचारियों का साथ मिल गया है। केंद्र सरकार के पुरानी पेंशन बहाली और 8वें वेतन आयोग के गठन से इंकार करने से गुस्साए देशभर में लाखों की संख्या में सरकारी कर्मचारी, 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। देश की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियन से जुड़े करोड़ों की संख्या में मजदूरों ने भी 16 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया, 16 फरवरी को हड़ताली कर्मचारी अपने-अपने कार्यालयों पर प्रदर्शन करने के उपरांत जिला मुख्यालयों के लिए कूच करेंगे। बतौर सुभाष लांबा, संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ 16 फरवरी को ग्रामीण भारत बंद का एलान किया है। कर्मियों, मजदूरों व किसानों के आह्वान पर इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल व भारत बंद से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने की प्रबल संभावना है। लांबा ने कहा, उन्होंने पंजाब, चंडीगढ़, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल आदि राज्यों का दौरा किया है। यह हड़ताल एतिहासिक एवं अभूतपूर्व होगी। केंद्र एवं राज्य कर्मियों में सरकार के रवैए के खिलाफ भारी आक्रोश है। 16 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर कर्मचारी, मजदूर व किसान संयुक्त रूप से रैलियों एवं प्रदर्शन करेंगे। केंद्र सरकार के पुरानी पेंशन बहाली व 8वें पे कमीशन के गठन से इंकार करने से कर्मियों में भारी आक्रोश है। केंद्र एवं राज्य कर्मचारी, उक्त मांग के लिए 8 दिसंबर, 2022 से निरंतर आंदोलन कर रहे हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार, कर्मचारियों की मांगों एवं आंदोलन की अनदेखी कर रही है। लांबा ने बताया, सार्वजनिक क्षेत्र को मजबूत करने की बजाय सरकार, पीएसयू का निजीकरण कर रही है। सरकारी विभागों का डाउन साइजिंग कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों एवं पीएसयू में करीब एक करोड़ पद रिक्त हैं। बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार इन पदों को नियमित भर्ती से भर कर बेरोजगारों को स्थाई रोजगार नहीं दे रही। स्वीकृत रिक्त पदों के विरुद्ध भी मामूली संख्या में आउटसोर्स, दैनिक वेतनभोगी, ठेका संविदा आधार पर कर्मियों को लगाया जा रहा है। जहां न तो समान काम, समान वेतन दिया जा रहा है और न ही सेवा सुरक्षा दी जा रही है। ट्रेड यूनियन एवं लोकतांत्रिक अधिकारों पर निरंतर हमले किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आदेश जारी कर धरने प्रदर्शन व हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्र सरकार ने दर्जनों यूनियन एवं एसोसिएशन की मान्यता रद्द कर दी है। त्रिपुरा एवं पश्चिम बंगाल में कर्मचारियों एवं नेतृत्वकारी पदाधिकारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। बिना अपील दलील के कर्मचारियों की सेवा बर्खास्त करने वाले संविधान के अनुच्छेद 311(2) ए,बी,सी को निरस्त करने, 18 महीने के बकाया डीए-डीआर का भुगतान करने व आयकर छूट की सीमा बढ़ाने के लिए कर्मियों द्वारा आंदोलन किया जा रहा है

दो दिनों से ओलावृष्टि के साथ हुई बारिश से दलहन तिलहन और गेहूं की फसल चौपट

किसान फसल के नुकसान के बावत प्रधानमंत्री टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराएं शिकायत

अखंड भारत संदेश

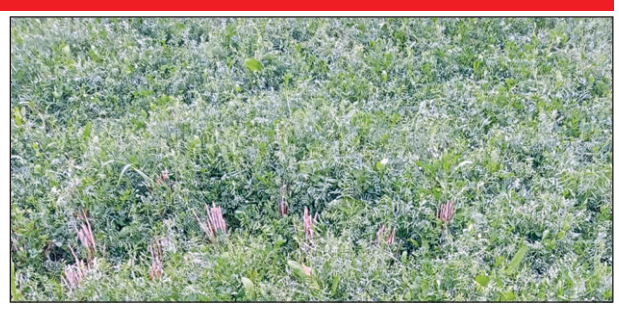

मेजा। तहसील के क?ई राजस्व गांव के किसानों की फसल ओला वृष्टि के कारण बर्बाद हो गई हैं।इस संबंध में ग्राम रौनी के किसान अनिरूद्ध कुमार मिश्र ने बताया कि रात्रि 1बजे के करीब तेज हवा व पानी के साथ ओला भी गिरा जिसके कारण जो गेहूं नवंबर माह में बोए गए थे और बालियां निकल आई थी क्षतिग्रस्त हो कर गिर गये हैं। वहीं हड़गड़ के किसान कमलेश कुमार दूबे का कहना है कि मसूर की फसल के दाने चोटिल होने के कारण जमीन में गिर गये हैं।इसी प्रकार भोजपुरवा, चन्द्रहास,सुहास, पथरा,चपरो,भइयां तथा चौरासी क्षेत्र सहित कई गांवों के किसानों ने भी सरसों मटर प्याज और चने की खेती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की बात बताई है। बी-पैक्स पथरा के अध्यक्ष जगनायक मिश्र ने किसानों को सुझाव देते हुए कहा है कि ओलावृष्टि के बाद चौबीस घंटे के अन्दर पीड़ित किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा के टोल फ्रीहेल्पलाइन नम्बर 18001801551पर शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

कटका गांव में अवैध तेल कारखाने में सार्ट सर्किट से लगी आग से दम्पति झुलसे

फायर ब्रिगेड की कडी मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

करछना। क्षेत्र अंतर्गत कटका गांव में संचालित हो रहे एक अवैध तारपीन तेल की कारोबार में आग लग गई। इस हादसे में घर के अंदर रखा गया भारी मात्रा में तेल एवं गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। सूचना होने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। गांव निवासी अरविंद कुमार पांडेय घर के सामने किराना की दुकान खोल रखा है। और घर के पीछे की तरफ अवैध रूप से तारपीन का कारखाना खोल रक्खा था। बुधवार दोपहर एक बजे के करीब अवैध तारपीन की फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। आग की लपटे उठता देख लोगों में अफरा तफरी का माहौल बन गया। जहां धीरे-धीरे ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सामान को समेटते समय अरविंद कुमार की पत्नी सविता एवं अरविंद कुमार के हाथ झुलस गए। सविता को उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपस्थित लोगों ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड टीम को देते हुए आनन-फानन में बालू की रेती एवं बाल्टी से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया । लेकिन देखते ही देखते आग की लपटे तेज हो गई। थाना प्रभारी निरेंद्र कुमार शुक्ला एवं फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग की आगोश में आने से घर की दीवाल एवं छत में फट चुकी थी। वही अवैध फैक्ट्री में रखा गया भारी मात्रा में तेल, फैक्ट्री के बगल कमरे से बीस हजार रूपए, सोने चांदी के आभूषण एवं गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। पुलिस की पड़ताल में ऑटो पर लदा दो ड्रम तेल,घर के पास बने टीन सेट से छाए गए छप्पर के नीचे एक ड्रम एसिड एवं पैकिंग के समान बरामद हुए हैं। भुक्तभोगी अरविंद कुमार पांडेय के मुताबिक आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

न्यूज झरोखा

बसंत पंचमी नवीन सृजन का आधार : कृष्णानंद जी महाराज

प्रयागराज। पूज्य सद्गुरुदेव स्वामी कृष्णानंद जी महाराज के सानिध्य में सद्विप्र समाज सेवा शिविर में श्रीमती मंजू रानी चौहान न्यामूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद एवं श्री कल्प राज सिंह लोकसेवा आयोग सदस्य की अध्यक्षता में भव्य दीक्षा हवन एवं दिव्य भंडारा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर माघ मेला में पूज्य गुरुदेव ने बसंत पंचमी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व नवीनता का प्रतीक है जहां पतझड़ रूपी अशुद्ध मन को आत्मिकता की ओर ले जाते हुए सुंदर फल का सृजन करता है अर्थात परमात्मा की ओर ले जाता है। पूज्य गुरुदेव ने कहा कि हमें तन मन धन से गुरु की सेवा करनी चाहिए उसके दिए गए निदेशों पर चलना चाहिए और कभी भी गुरू की निंदा नहीं करना चाहिए। हमेशा प्रभु भजन में रहना चाहिए तभी जीवन सार्थक होगा । इस कार्यक्रम में आचार्य कुणाल स्वामी एवं आचार्य जनेश्वर स्वामी तथा रामू बाबा ने भी ने बसंत पंचमी एवं माघ मेला कल्पवास पर प्रकाश डाला। उक्त सूचना शिव संचालक वीरभद्र प्रताप सिंह ने दी। गुरू सेवा में आकाश, आशीष, शरद, विजय लगे रहते हैं।

अरैल बेनी माधव मंदिर में भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ

नैनी। नैनी अरैल बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर बेनी माधव मंदिर में भंडारे का आयोजन संपन्न हुआ बेनी माधव मंदिर में भंडारे का आयोजन सुबह से लेकर रात्रि 8 बजे तक किया गया इस अवसर पर मंदिर के महंत पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी ने आए हुए अतिथियों का महापौर गणेश केसरवानी का मंत्र उच्चारण के साथ स्वागत किया। भंडारे का कार्यक्रम 101 कन्याओं के द्वारा भोजन कर करके प्रारंभ किया गया हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भंडारे का कार्यक्रम हुआ इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सुशील शुक्ला लक्ष्मीकांत तिवारी राजेश साहू विजय कुमार मिश्रा महेंद्र दुबे संजय श्रीवास्तव महेश वर्मा संजय पांडे सुनील कुशवाहा नितिन केसरवानी उर्फ बबलू सुनील विश्वकर्मा नीरज शर्मा शंकर भारती बाबूजी यादव धर्म तिवारी लोग शामिल हुए।

सिर्फ परीक्षा कराने तक सिमट गई है सरकार की कवायद

अखंड भारत संदेश

भ्रष्टाचार व अनियमितताओं की भेंट चढ़ती माध्यमिक शिक्षा

कम नहीं हो रहा है परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में भ्रष्टाचार का खेल

प्रयागराज। बोर्ड परीक्षाओं का मौसम आ गया है।जिसे देखो वही परिक्षार्थियों, छात्र, छात्राओं को पास होने,अच्छे अंक लाने, मेरिट बनाने,निश्चिंत होकर परीक्षा देने की सलाह दे रहा है।सरकार नकल कराने व करने वालों के घरों की कुर्की,रासुका लगाने व जेल में डालने की बात कर रही है।परीक्षा की निगरानी बड़े बड़े अधिकारियों, एस टी एफ फोर्स ,स्थानीय पुलिस प्रशासन ,प्रधानाचार्यो व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सी सी टी वी को सौंपी गई है।प्रश्नपत्रों की सुरक्षा चाक चौबंद है।यह सब हाई स्कूल, इंटरमीडिएट के छात्र, छात्राओं के लिए है।प्रवेश, पढ़ाई,परीक्षा व परिणाम यही आमतौर पर स्कूल व बोर्ड की गतिविधियां हैं।इनमें दो स्तर पर न कहीं न तो सरकार दिखती है और न ही भारी भरकम अधिकारियों की फौज।पढ़ाई की व्यवस्था स्कूलों में है या नहीं, पढ़ाने वाले अध्यापक हैं या नहीं, प्रयोगशाला है या नहीं, संसाधनों की कमी से जूझते स्कूल अच्छी पढ़ाई के लिए उपयुक्त हैं या नहीं जैसे अनेकों मुद्दों पर साल भर न सरकार दिखती है और न ही अधिकारी।सरकार भारी भरकम फीस लेकर अपनी जेब में रख लेती है और स्कूलों पर थोप देती है सारी व्यवस्था की बागडोर।जब चादर फटी हो तो ठंड में गर्मी कैसे होगी?परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में हर साल अनियमितताओं की शिकायतें मिलती हैं।वित्त विहीन स्कूलों को बोर्ड परीक्षा केंद्र बनाने में लाखों रुपये वसूलने के आरोप हर साल लगते हैं।इस प्रकार परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रदेश भर में 100 करोड़ से ऊपर का धंधा है।आखिर वह कौन का जादू है कि जिला विद्यालय निरीक्षक से लेकर तमाम बड़े शिक्षाधिकारी कुछ ही वर्षों में करोड़ों के मालिक हो जाते हैं।स्कूल कॉलेज से लेकर शॉपिंग कॉम्पेक्स,होटल तक खोल लेते हैं।बड़ी बड़ी गाड़ियों में चलते हैं।इन पर कभी सरकार का बुलडोजर नहीं चलता।ऐसे ऐसे स्कूल परीक्षा केंद्र बनते हैं कि देखकर आप माथा पीट ले।परीक्षा केंद्र तक पहुंचना ही दुरूह कार्य है।अच्छे अच्छे स्कूल परीक्षा केंद्र के लिए तरस जाते हैं।ये तो बोर्ड परीक्षाओं का हाल है।यही सब प्रतियोगी परीक्षाओं में भी होता है।इतनी सुरक्षा के बाद भी पेपर आउट हो रहे हैं।सच तो यह है कि कोई चाहता ही नहीं कि सुधार हो वर्ना नेतागीरी कैसे होगी।बजट की लूट कैसे होगी।आज से 50 साल पहले बच्चे नकल तो छोड़िए परीक्षा कक्ष में कक्ष निरीक्षक को ही देखकर कांपते थे।परीक्षा परिणाम में अपने अनुक्रमांक के आगे फर्स्ट देखने के लिए तरस जाते थे।जनाब स्कूलों में पठन पाठन ठीक कर दीजिए,अध्यापकों की व्यवस्था कर दीजिए फिर कुछ करने की जरूरत ही नहीं होगी।पर क्या उम्मीद की जाय?जब सरकार माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले 2090 से अधिक तदर्थ शिक्षकों को स्कूल से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।माध्यमिक शिक्षकों के चयन के लिए बना चयन बोर्ड समाप्त है।तीन चार सालों से भर्तियां बंद है।नया बना उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग कब काम शुरू करेगा कहना मुश्किल है क्योंकि अभी उसके अध्यक्ष, सदस्यों ,कर्मचारियों आदि के चयन की प्रक्रिया चल रही है।फिलहाल बोर्ड परीक्षाओं में शामिल हो रहे सभी छात्र छात्राओं को मेरी शुभकामनाएं।किसी की कुर्की न हो,बुलडोजर न चले यही प्रार्थना है। बाकी राम जाने।

गैंगरेप का मुख्य आरोपी निकला नाबालिग, इंस्ट्रा पर हुई थी दोस्ती

झूंसी। छात्रा से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने उसके दो दोस्तो को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी नाबालिग है बुधवार को पुलिस ने उसे बालसुधार गृह व दूसरे को जेल भेजा गया। अभी पीड़िता का बयान नही हुआ है। पुलिस की माने तो पखवारे भर पहले ही दोनों की दोस्ती इंस्ट्राग्राम पर हुई थी। रविवार की रात हाईस्कूल की छात्रा को उसके दो दोस्तो ने पार्टी करने के बहाने बुलाया और कार में बैठाकर घुमाने निकले थे। इस दौरान छात्रा को नशीला पदार्थ पिलाकर दोनों दोस्तो ने त्रिवेनिपुरम स्थित बाग में लेजाकर छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। जिसके बाद छात्रा को उसके घर के बाहर छोड़ दिया। लड़की अर्ध अचेता अवस्था मे घर पहुची उसकी हालत देख परिजन परेशान हो गए। पूछने पर आप बीती सुनाई तो परिजन किशोरी को लेकर थाने पहुचे पुलिस उसके दोनों दोस्तो के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर बुधवार को खुलाशा करते हुए बताया कि गैंग रेप का मुख्य आरोपी नाबालिक है पखवारे भर पहले इंस्ट्राग्राम पर उसकी छात्रा से दोस्ती हुई और दोनों की चैटिंग से नजदीकियां बढ़ गई वह भी हाईस्कूल का छात्र है। उसने अपने बालिग दोस्त के साथ मिल कर प्लान बनाया और लड़की बुलाया फिर दोनों ने मिल कर रेप किया।

डॉक्टरों की अनूठी पहल, अस्पताल में कराई शादी

माघ मेले के त्रिवेणी अस्पताल में शालिनी ने लिए 7 फेरे, डॉक्टरों ने किया सहयोग

प्रयागराज। संगम में आज बुधवार को जहां लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा रहे थे वहीं शालिनी सात फेरे ले रही थी। गंगा किनारे स्वास्थ्य विभाग की ओर से बने त्रिवेणी अस्पताल में बसंत पंचमी के दिन शुभ मुहूर्त में वह अपने दांपत्य जीवन में प्रवेश कर रही थी। इसमें विशेष सहयोग सीएमओ व उनकी पूरी टीम का रहा। जिन्होंने आपसी सहयोग से अस्पताल में ही शादी करा दी। सीएमओ डॉ. आशु पांडेय समेत विभाग के अधिकारी भी इसके साक्षी बने और शालिनी को आशीर्वाद दिए। शादी की पूरी रस्म त्रिवेणी अस्पताल परिसर में स्थित मां शारदा मंदिर में कराई गई। उसकी शादी धूमनगंज के जितेंद्र कुमार के साथ हुई जो माघ मेले में सफाई कर्मचारी है। शालिनी के मामा सूरज भी सफाईकर्मी हैं। वह कौशांबी के सरसरवा गांव की रहने वाले है।

दुल्हन की मामी को पीएम मोदी ने किया था सम्मानित

दुल्हन की मामी सुमन देवी भी सफाईकर्मी हैं। बता दें कि वर्ष 2019 के कुंभ के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सम्मानित भी किया था। कन्यादान की रस्म शालिनी के मौसा राहुल एवं मौसी सन्नू देवी की ओर किया गया।त्रिवेणी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. वरूण क्वात्रा ने बताया कि आज शुभ मुहूर्त में शादी की रस्म पूरी कराई गई। इसमें मेला सब चार्ज डॉ. एके तिवारी, नोडल अधिकारी डॉ. रावेंद्र सिंह, डॉ. बीएन गुप्ता, डॉ. संजय बरनवाल, रवि श्रीवास्तव, अवधेश कुमार, राजकुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

भारत आध्यात्मिक देश रहा है, अध्यात्म से ही हमारी पहचान संपूर्ण विश्व में है- संत प्रवर

झूंसी। सत्य पर पूर्ण विश्वास ही श्रद्धा है। जो श्रद्धावान है वही ज्ञान की प्राप्ति कर शांति का अनुभव करता है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की चतुःसूत्री ही भारतीय संस्कृति का आधार है। जिसकी सिद्धि मानव जीवन का परम उद्देश्य है। धर्म पूर्वक ही अर्थ और काम की प्राप्ति श्रेयष्कर है। अर्थ और काम की प्रासंगिकता और प्रयोजन मर्यादित है। मुख्य पुरुषार्थ तो मोक्ष है। किन्तु उसका आरम्भ भी धर्म से ही होता है। उक्त बातें स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक संत प्रवर विज्ञान देव महाराज ने सद्गुरु सदाफल देव समाधि धाम मंदिर के निकट माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर 3 में आयोजित विहंगम योग के प्रणेता अनंत सद्गुरु सदाफल देव महाराज के 70वें परम निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित पंचदिवसीय जय स्वर्वेद कथा एवं 2100 कुंडीय वैदिक यज्ञानुष्ठान के प्रथम दिवस पर उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के मध्य व्यक्त किये। सन्त प्रवर श्री ने कहा कि भारत आध्यात्मिक देश रहा है, अध्यात्म से ही हमारी पहचान संपूर्ण विश्व में है, इसी आध्यात्मिक ज्ञान की धारा को विहंगम योग के प्रणेता अनन्त श्री सदगुरु सदाफल देव जी भगवान ने अपनी आत्मा में धारण किया और संपूर्ण विश्व की मानवता के कल्याण के लिए उसे स्वर्वेद में अभिव्यक्त कर दिया।

आर के ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में मां सरस्वती का विधि विधान से पूजन हुआ

नैनी। नैनी बसंत पंचमी के अवसर पर आर के ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के परिसर में वीणा वादिनी, बुद्धि प्रदाता, विद्या की देवी मां सरस्वती का विधिवत पूजन अर्चन चेयरमैन डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी एवं प्रबन्ध निदेशक इं0 आशीष त्रिपाठी द्वारा आचार्य पं0 अशोक त्रिपाठी द्वारा उच्चाटित वेद मंत्रो के माध्यम से किया गया। इस पुण्य अवसर पर संस्थान परिसर में भक्ति का माहौल बना रहा। उक्त पूजन में संस्थान के छात्र-छात्राओं के अलावा सभी विभागों में विभागाध्यक्ष डॉ0 सी एस सिंह, डॉ0 मुहम्मद जफर, के एच विक्टोरिया देवी, डॉ0 विशाल उपाध्याय रजिस्ट्रार अनुज शुक्ला एवं शैक्षणिक कर्मचारियों डॉ0 नागेन्द्र शर्मा में राम बाबू तिवारी, अमित पांडेय, पंकज तिवारी, अंजना यादव, ज्योति सिंह, शिवानी जायसवाल, सत्यम सिंह, प्रियंका पुष्कर, रानू श्रीवास, श्वेता सिंह, सुषमा साकेत, शुभम कुमार, कार्तिकेय मिश्रा, दिलीप कुमार, सुरेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र मिश्रा, शैन कुमार, प्रदीप तिवारी, पंकज चतुर्वेदी, हर्षिता श्रीवास्तव, नेहा मिश्रा, उपेन्द्र शुक्ला, मोहम्मद शाहिद, रितेश तिवारी शुभम मिश्रा, अनुराग, सुभाष, नमन, कर्मचारियों में गुरु प्रसाद द्विवेदी, अर्पिता यादव, सुभाष पटेल, विजय सोनी, गौरव मालवीय,आशीष तिवारी, रिचा मौर्या, खुशी सिंह तथा समस्त चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी उपस्थित रहे।

शहादत को सलाम,स्कूली बच्चों ने दी श्रद्धांजलि

पुलवामा में शहीद जवानों की याद में झांकी निकालकर दी गयी श्रद्धांजलि

उतरांव। 14 फरवरी 2019 को कश्मीर के पुलवामा में आत्मघाती हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को समोधीपुर स्थित महात्मा गौतम बुद्ध में स्कूली बच्चों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान स्कूली बच्चों ने कहा कि आज भी जब उन्हें उस हमले की तस्वीरें याद आती हैं तो वह सिहर जाते हैं।

पूरा देश आज उन सीआरपीएफ के वीर जवानों को याद कर रहा है जो 14 फरवरी 2019 को पाकिस्तान समर्थित आर्तकियों के एक आत्मघाती हमले में कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए थे। महात्मा गौतम बुद्ध समोधिपुर स्कूल के बच्चों ने अपनी मॉर्निंग प्रेयर के बाद इन शहीद जवानों को याद किया।इन बच्चों ने मोमबत्तियां जलाईं और मौन रखकर इन वीर जवानों की शहादत को नमन किया। श्रद्धांजलि में प्रबंधक अशोक वर्मा ने कहा कि 14 फरवरी को पुलवामा आतंकी हमले की पांचवी बरसी मना रहा है। पुलवामा आतंकी हमले में 14 फरवरी 2019 को हमारे सीआरपीएफ के 40 बहादुर जवान शहीद हो गए थे। इस दिन को याद कर आज भी भारतीयों की आंखें नम हो जाती हैं। प्रधानाचार्य रणजीत सिंह कानपुरी ने कहा की इस घटना से पूरे देश में आक्रोश और निराशा फैल गई थी। भारत पुलवामा हमले की बरसी के दिन 14 फरवरी के उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन पर उन वीर शहीदों को याद करता है। जिन्होंने दुनिया के सबसे बुरे आतंकी हमलों में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।रैली में शहीद भगत सिंह,राणा प्रताप,डॉ भीमराव अंबेडकर,रानी लक्ष्मीबाई, भारत माता, नेता सुभाष चंद्र बोस, सरदार भगत सिंह आदि सुंदर झाकियां निकली। झांकी में मुख्य रूप से समोधीपुर उतरांव, दायमगंज, बेलवरिया, छबीलहा, पौड़न गांव आदि होते हुए विद्यालय में समापन हुआ। उक्त अवसर ग्राम प्रधान रामलाल गुप्ता, रवि वर्मा प्रधान, छोटेलाल बीडीसी, रामचंद्र मौर्य, शतीश कानपुरी, डॉक्टर राजकुमार मौर्य, धर्मेंद्र पटेल, राजेश वर्मा बसपा नेता, जितेंद्र वर्मा पास्टर,राम निहोर, स्वेता, प्रियंका, प्रतिमा, सुलोचना, अमर सिंह, शतीश, शंभू नाथ, दिलीप,जय प्रकाश, मुनेश, अमरेंद्र, अविनाश, आकाश, राम सूरत आदि लोग उपस्थित रहे।

सीएचसी मेजा और रामनगर के अधीक्षकों ने मनाया पत्रकार का जन्म दिन दिया आशीर्वाद

मेजा। पत्रकार इं अजय कांत ओझा के मेजा स्थित आवास पर सीएचसी मेजा के अधीधक डा बबलू सोनकर और राम नगर के अधीक्षक डा ओम प्रकाश ने संयुक्त रूप से जन्म दिन कार्यक्रम में उपस्थित होकर दाधाई दिया। इस मौके पर डा शाश्वत सिंह रेशमा खान पूरे विधि विधान से पत्रकार ई. अजय कान्त ओझा का जन्म दिन मनाया। इस मौके पर सीएचसी के सभी कर्मचारी अरुण सिंह कोशलेश पाण्डेय कमलेश मिश्रा अवड़ेश मिश्रा राम सनेही सुनील रावत अभिनव शुक्ला राहुल गुप्ता सहित कई अन्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

पान की गुमटी पर मामूली विवाद में चला बम

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के छिवकी गांव में मामूली विवाद पर पान की गुमटी पर बमबाजी की गई। पुलिस ने जांच कर मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। छिवकी गांव का विजय शंकर घर के पास ही पान की गुमटी चलाता है। मंगलवार देर रात एक युवक का किसी बात पर विजय शंकर से झगड़ा हो गया। जिसके बाद युवक ने बमबाजी कर दी। इंस्पेक्टर नैनी यशपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कराई जा रही है।

चोरी करके ट्रैक्टर से भागे चोरों में एक धराया

मऊआइमा। प्रतापगढ़ से ट्यूबवेल मोटर चोरी करके ट्रैक्टर पर रख भागे चोरों का तेल खत्म हो जाने पर मऊआइमा और प्रतापगढ़ की पुलिस ने एक को दबोचकर ले गए शेष भागने में सफल रहे। बताया गया है कि प्रतापगढ़ के सराय बाघराय थाना क्षेत्र से बीती रात ट्यूबवेल मोटर चोरी करके ट्रैक्टर पर लादकर प्रयागराज जाते समय ट्रैक्टर का तेल मऊआइमा के ग्राम सकरामऊ हाईवे पर एक ढाबे पर खत्म हो जाने पर मऊआइमा और प्रतापगढ़ पुलिस ने बुधवार को दबोचकर पूछ ताछ कर रही है। बताया गया है कि एक आरोपी पुलिस के हत्थे लगा जबकि शेष भागने में सफल रहे हैं।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मना बसंत पंचमी का पर्व

इस सप्ताह में एडमिशन कराने पर शुल्क में मिलेगी 50 प्रतिशत छूट - डॉ स्वतंत्र मिश्रा

मेजा। क्षेत्र के गोसौरा कला स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एण्ड कॉलेज की सभी शाखाओं में बसंत पंचमी का पर्व बड़े ही धूम धाम एवं हर्षोल्लास पूर्ण माहौल में मनाया गया । इस दौरान स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित के साथ किया गया। स्कूल के चेयरमैन सुशील कुमार मिश्र द्वारा सरस्वती कि प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया।तत्पश्चात स्कूल के बच्चों को बेहतर शिक्षा के नवीनतम शैली संबंधी आधुनिक सुविधाओं से अवगत कराया। स्कूल की प्रबंधक श्रीमती स्वतंत्र मिश्रा ने बच्चों को बसंत पंचमी एवं सरस्वती जी के महत्व को विस्तार में बताते हुए बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा इस उपलक्ष्य में इस हफ्ते एडमिशन पर 50 प्रतिशत छूट की घोषणा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सृजन मिश्रा, पवन उपाध्याय, जुवेरिया इबकार , हिमांशु साहू और सत्यम सिंह राजपूत एवम समस्त शिक्षक गणों का योगदान रहा।

यमुनापार जिलाध्यक्ष की अगुवाई में थामा भाजपा का दामन

शंकरगढ़। लोकसभा चुनाव की आहट से पहले भारतीय जनता पार्टी देश से लेकर ग्रामीण स्तर तक हर कांटे को दुरुस्त करने में जुटी है। बुधवार को विधानसभा बारा के नगर पंचायत शंकरगढ़ में जिलाध्यक्ष विनोद कुमार प्रजापति की उपस्थिति में विभिन्न राजनीतिक दलों से आए दर्जनों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर भाजपा को लोकसभा में प्रचंड बहुमत से जिताने का प्रण लिया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार प्रजापति ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति को आर्थिक, सामाजिक विकास से जोड़ने का लक्ष्य भाजपा का है और भारत जल्द ही विश्व की अगुवाई करेगा। प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के शासनकाल में हर वर्ग को आत्मसम्मान से जीने का हक मिला है, सबको कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया गया। कांग्रेस के राज्य में व्यापार भ्रष्टाचार, भतीजावाद जैसी मानसिकता को भाजपा ने समाप्त किया है। जिलाध्यक्ष ने भाजपा परिवार में शामिल हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त कर कहा कि अब आप सभी लोग भाजपा परिवार के अहम सदस्य हैं, हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रचंड बहुमत से दिल्ली की सत्ता पर बैठाने का कार्य करें। अबकी बार 400 पार का लक्ष्य है।कार्यक्रम का संचालन पूर्व सभासद सुजीत केसरवानी ने किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख निर्मला देवी,जय सिंह पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष पार्वती कोटार्य,भाजपा नेत्री सुधा गुप्ता, छेदीलाल कोटार्य, व्यापार मंडल शंकरगढ़ अध्यक्ष अरविंद केसरवानी,अखिलेश सिंह,अंजनी लाल,रोहित केसरवानी,अनूप केसरवानी,अनुपमा वैश्य,उमा वर्मा,नेहा सिंह, ज्योति कनौजिया, दिलीप सिंह, सभासद आरके सिंह, सौरभ श्रीवास्तव, अशोक कुमार यादव, रामजतन बंसल, सुनीता सिंह मिथिलेश कुमार विश्वकर्मा, युवराज सिंह,रतन केसरवानी,राजू केसरवानी, दिलीप केसरवानी, पंकज केसरवानी, नितेश केसरवानी समेत सैकड़ों भाजपाई मौजूद रहे।

शक्ति वंदन सम्मान पत्र से समूह की उत्कृष्ट महिलाओं को विधायक ने किया सम्मानित

करछना। बुधवार को विकास खंड करछना परिसर सभागार में केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान शक्ति वंदन अभियान का आयोजन किया गया,जिसमे करछना विधानसभा के सभी गांवों से विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद रहे, विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी , जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय कार्यक्रम को अध्यक्षता महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सविता मिश्रा ने किया ।कार्यक्रम के तहत मंच संचालन ब्लॉक परियोजना प्रबंधक आदित्य तिवारी ने किया । कार्यक्रम के दौरान विधायक करछना ने सरकार की विकास उन्मुख योजनाओं पर विषेश जोर देते हुए कहा की सरकार का विजन महिला ,गरीब किसान, युवा, इन चार पैमानों पर विषेश रूप से कार्य कर रही है जिससे की विकसित भारत का संकल्प सिद्ध किया जा सके । ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी ने अपने विकास खंड को विकास के सभी आयामों में जनपद तथा राज्य में अग्रणी बनाने हेतु आधी आबादी को सर्वोत्तम योगदान की अपील किए , कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सविता मिश्रा ने महिला आरक्षण तथा समूह की सहायता से महिलाओं के जीवन में बदलाव की बात कही इसी क्रम में त्रिवेणी पांडेय जिला उपाध्यक्ष भाजपा यमुनापार ने अपने पार्टी के द्वारा किए जा रहे महिला उत्थान तथा नारी सशक्तिकरण की बात कही , वहीं बतौर मंच संचालक आदित्य तिवारी ने विकास के महत्वकांक्षी योजनाओं के बारे में ग्राम विकास विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की जिससे की समाज के अति पिछड़े वर्ग तथा गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ा जा सके तथा एनआरएलएम की वित्तीय सहायता पर विषेश चर्चा करते हुए आरएफ,सीआईएफ, सीसीएल वित्तिय योजनाओ के विषय में बताया। इसी दौरान उत्कृष्ट कार्य करने के लिए पूजा देवी खजूरी से ममता देवी हिंदूपुर से गुलशन देवी , डीहा से शबीना बेगम आदि को विधायक करछना द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में सुरेश पांडेय, सत्य प्रकाश निषाद,सहायक विकास अधिकारी उदयभान, संजय चौधरी, धर्मेंद यादव , जलज शर्मा , आदि ने कार्यक्रम की व्यवस्था की तथा इस दौरान पार्टी के अन्य पदाधिकारीगण तथा ग्राम प्रधानगण, बीडीसी तथा अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

रात्रि प्रवास कर पत्रक देते दी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

सहसों। भाजपा मंडल सहसों में शक्ति केंद्र चकिया घरहरा के बूथ संख्या 154 , 155 ग्राम सभा सेमरा पर 24 घंटे का रात्रि प्रवास कर वरिष्ठ नेता एवं भूमि विकास बैंक फूलपुर अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने दलित, यादव व मौर्या बस्ती सहित आदि बस्तियों में घर-घर जाकर मतदाताओं से मिलकर हाल-चाल जानते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही देश व प्रदेश के विकास में आमजन के हित में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व देश में विकास की गंगा बहाने के लिए फिर से सरकार बनाने के लिए लोगों से संपर्क कर समर्थन मांगा। इस मौके पर बूथ अध्यक्ष विमल कुमार सिंह, राजेश कुमार सरोज सहित आदि भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संगम में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य की डुबकी, बारिश और ठंड पर हावी रही आस्था

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने वसंत पंचमी स्नान पर्व पर पुण्य की डुबकी लगाई। 12 घाटों पर सुबह आठ बजे तक करीब 15 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके थे। एक दिन पहले से ही बूंदाबांदी और बारिश के साथ ठंड भी बढ़ गई, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था डगमगा नहीं सकी। मेले में सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है।स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मां सरस्वती की आराधना की। विभिन्न पंडालों में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन किया गया। शहर से लेकर संगम तक भंडारे का भी आयोजन किया गया, इसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रशासन के दावे के मुताबिक माघ मेले के चतुर्थ स्नान पर्व वसंत पंचमी के अवसर पर सुबह 10 बजे तक 19 लाख 50 हजार लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई।मेला क्षेत्र में देर रात से ही श्रद्धालुओं ने स्नान शुरू कर दिया। स्नान के लिए कुल 12 घाट बनाए गए हैं। घाटों पर पुआल और कांसे को भी नए सिरे से बिछाया गया। जहां कीचड़ था वहां रेत डाली गई। संगम पर जलस्तर कम होने की वजह से पोकलैंड मशीन लगाई गई। मशीन का इस्तेमाल रामघाट पर भी हुआ।उधर पुलिस मित्र और पीआरडी के जवानों को भी मेला क्षेत्र में तैनात किया गया है। सभी घाट पर महिलाओं के लिए पर्याप्त संख्या में चेजिंग रूम भी बनाए गए हैं। स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी घाटों पर तैनात रहे।

दबंगई : रुपये मांगने पर दबंगों ने युवक की नाक पर मार दी गोली

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद व उसके गुर्गों का गढ़ रहे पूरामुफ्ती में दबंगई की वारदात सामने आई है। बकाया मांगने पर यहां उमर अहमद (25) को नाक पर गोली मार दी गई। लहूलुहान होकर जमीन पर युवक के गिरने के बाद भी वह उसे मार डालने को ललकारते रहे। पुलिस ने पांच पर नामजद एफआईआर दर्ज की है। उमर भरेठा गांव का रहने वाला है। उसके पिता अफसार अहमद ने बताया कि गांव के ही अबू सहमा ने उससे उधार रुपये लिए थे। उसका बेटा उमर सोमवार को इसी रकम को वापस मांगने उसके घर गया। आरोप है कि बकाया मांगने पर अबू सहमा ने रुपये देने से इन्कार कर दिया और गालीगलौज शुरू कर दी। बेटे के विरोध करने पर अबू सहमा की पत्नी कैकशा, उसका बेटा ओसामा के अलावा दो सगे भाई हारिश व आतिफ भी आ गए और उन्होंने भी गालीगलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विवाद के दौरान ही कैकशा ने तमंचा निकालकर अपने बेटे ओसामा को दिया और उसे गोली मारने के लिए ललकारा। इस पर उसने ऐसा ही किया और उसके बेटे को नाक में गोली मार दी। आसपास के लोग जुटे तो हमलावर भाग निकले। उसे एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूरामुफ्ती के प्रभारी थानाध्यक्ष अरविंद सिंह ने बताया कि युवक की हालत खतरे से बाहर है। पिता की तहरीर पर महिला समेत पांच पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

न्यूज झरोखा

गंगा में डूबते बच्चे की जल पुलिस ने बचाई जान

प्रयागराज। संगम तट पर गंगा में स्नान करते-करते एक पांच साल का बच्चा पानी के अंदर डूबने लगा। परिवार वाले जब तक समझ पाते तब तक वहां तैनात जल पुलिस सक्रिय हो गई। दलनायक ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में तैनात पीसी हरिकिशुन मौर्य के हमराह मुख्य आरक्षी मार्तंड नाथ दुबे, धनंजय यादव एवं आरक्षी वीर अभिमन्यु द्वारा बच्चे का पानी से सुरक्षित बाहर निकाला गया।दरअसल, गोंडा जनपद के मोतीगंज के रहने वाले सियाराम मिश्र परिवार के साथ आज संगम में स्नान के लिए आए थे। काली सड़क पर बने घाट पर स्नान कर रहे थे। इसी बीच उनका करीब चार वर्ष का बेटा शिवा मिश्रा पानी में उनसे अलग हो गया और डूबने लगा था। लेकिन जल पुलिस की सक्रियता से उसकी जान बच गई। परिवार वालों ने जल पुलिस के प्रति जताया आभार : डूबते हुए बेटे को सुरक्षित पानी से बाहर आने के बाद परिवार के लोग भी भावुक हो गए। पिता सीताराम मिश्र ने कहा, बसंत पंचमी के मौके पर बच्चे समेत पूरे परिवार के साथ संगम स्नान करने के लिए आए थे। लेकिन बड़ा हादसा होने से मेरा बच्चा सुरक्षित बच गया। यदि जल पुलिस न होती तो शायद यह संभव न हो पाता। जल पुलिस के प्रभारी जनार्दन साहनी ने बताया कि हमारी टीम ने सक्रियता दिखाते हुए बच्चे को सुरक्षित बचा लिया। सभी घाटों पर जल पुलिस सक्रिय है।

शिविर में भव्य चाय एवं विसकिट का भंडारा आयोजन हुआ

नैनी। नैनी अरैल माघ मेला क्षेत्र में सरस्वती सामाजिक सेवा संस्थान के शिविर में भव्य चाय एवं विसकिट का भंडारा आयोजन हुआ। आस्था की देवी मां सरस्वती के पावन पर्व बसंत पंचमी पर ऋषि दीक्षित के नेतृत्व में चलाया गया। जिसमें दूर दराज से आए हुए स्नानार्थियों एवं यात्रियों को स्नान के पश्चात इस आस्था के पर्व पर मां गंगा का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष संतोष तिवारी, प्रबंधक सचिव कुंवर जी तिवारी, सुनील मिश्रा, धीरज यादव, शुभेंदु घोष, आत्म प्रकाश यादव,डां एस.बी.यादव, संदीप केसरवानी, शिवम् पाण्डेय, बबुवाहन सिंह, विनोद गुरानी, सौरभ यादव, सनी यादव, गौरव यादव, प्रवीण तिवारी, उज्जवल यादव, आर्यन यादव, कार्तिकेय तिवारी, तुलसी तिवारी आदि उपस्थित रहे।

चौथे पर्व बसंत पंचमी पर प्रशासन के साथ एसपीओ टीम तैनात रही

नैनी। नैनी अरैल सोमेश्वर महादेव घाट पर बसंत पंचमी पर गंगा यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाकर माँ सरस्वती की पूजा करने वाले भक्तजन व श्रद्धालुओं की भारी भीड़। स्नान करने वाले भक्तों का तांता लगा रहा। स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ पुलिस उपायुक्त यमुनानगर उपजिलाधिकारी करछना एसीपी करछना एवं नैनी थाना प्रभारी के आदेशानुसार विशेष पुलिस अधिकारी एसपीओ पुलिस मित्र टीम के प्रभारी अभय राज सिंह उप प्रभारी परवेज अहमद के दिशानिर्देश पर एसपीओ टीम के जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली मेला प्रभारी रामजी जायसवाल के नेतृत्व में एकत्रित होकर बसंत पंचमी के महापर्व पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात होकर आम जनता श्रद्धालुओं भक्तजनों को प्रशाशन के दिशा निर्देश पर एसपीओ टीम सेवा में लगी रही। इस दौरान एसपीओ प्रभारी अभय राज सिंह उप प्रभारी परवेज अहमद जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली मेला प्रभारी रामजी जायसवाल मीडिया प्रभारी वीरेंद्र पटेल समीर खान सोनू भारतीय फिरोज मयंक अंकित केसरवानी दिनेश सोनकर रामजी अलीम खान सुरेंद्र गुप्ता संजीव वर्मा वसीम खान दिनेश केसरवानी सलीम रहमान तौसीफ खान आदि एसपीओ पुलिस मित्र टीम के जवान अपने अपने पांइटो पर तैनात रहे।

रिया अग्रवाल मिस फेयरबल व मयंक शुक्ला चुने गए मिस्टर फेयरवेल

झूंसी। छतनाग झूंसी एसपी बिरला शिक्षा भवन इंटर कॉलेज में मंगलवार को इंटर के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जूनियर छात्र-छात्राओं ने उनके स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रमो की -प्रस्तुति कर भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की प्रधानाचार्या रीता पाण्डेय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद शर्मा ने मां सरस्वती प्रतिमा माल्यार्पण कर सभी छात्र छात्राओं को आशीर्वाद, शुभकामनाए देते हुए सफलता के टिप्स दिए। आखिर में रैंप वॉक का भी आयोजन किया गया। जिसमें रिया अग्रवाल और मयंक शुक्ला मिस और मिस्टर फेयरवेल चुने गए।

क्रियायोग अभ्यास ही बसंत पंचमी की वैज्ञानिक पूजा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र के अक्षयवट मार्ग स्थित क्रियायोग शिविर में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी महराज ने बसंत पंचमी के अवसर पर क्रियायोग माघ मेला शिविर में आए हुए देश-विदेश के साधकों को बसंत पंचमी पर्व के महत्व को क्रियायोग विधि से समझाया। स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने साधकों को समझाया कि क्रियायोग ध्यान में मनुष्य विश्व की सभी रचनाओं के साथ शाश्वत एकता की अनुभूत करता है ' इस स्थिति में वह ब्रह्मांड के सभी रचनाओं की सच्ची सेवा करने की सामर्थ्य रखता है और वह निरंतर परम शाति की अनुभूति में बना रहता है । स्वामी जी ने यह भी बताया कि बसंत का अभिप्राय जीवन में ज्ञान खुल जाना' जो मनुष्य के अंदर ज्ञान का पुष्प, कमल, दल के रूप में सिर व रीढ़ में कहा जाता है , जिसे चक्र के नाम से जाना जाता है, वह चक्र बसंत के समय खिल जाता है' खिलने के पश्चात सुगंध फैलती है, वह सुगंध शाति के रूप में धैर्य साहस के रूप में फैलने लगती है। सुगंध के दौरान ही फल लगता है, ज्ञान के रूप में वह ज्ञान जो सब को जोड़ता है, इसी क्रिया को बसंत कहते हैं। तथा साधकों को यह भी बताया कि पंचमी के बिना बसंत होता ही नहीं, रीढ़ के अंदर जो पांच ज्ञान के केंद्र हैं मूलाधार, स्वाधिष्ठान मणिपुर, अनहत, विशुद्धि,जब खिलते हैं तभी बसंत आता है इसी को बसंत पंचमी कहा जाता है। तथा क्रियायोग का अभ्यास करना ही बसंत पंचमी की वैज्ञानिक पूजा कहलाता है।

महर्षि विद्या मन्दिर नैनी में मनाया गया वसंत पंचमी महोत्सव

नैनी। नैनी महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय में आत्मीय श्रद्धाभाव के साथ वसंत पंचमी महोत्सव मनाया गया। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय में वसंत पंचमी का पर्व उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। विद्यालय के सभागार में सभी शिक्षक-शिक्षिका एकत्रित होकर सर्वप्रथम वैदिक परंपरा के अनुसार श्री गुरू पूजन किया। तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा चन्दोला ने सभी के साथ ज्ञान,विद्या, संगीत और कला की देवी माता सरस्वती की पवित्र गंगा जलाभिषेक करके पोडश अलंकारों के साथ पूजार्चन किया। सरस्वती मंत्र से हवन एवं आरती किया। प्रधानाचार्या ने उपस्थित जनों को वसंत पंचमी की आत्मीय बधाई देते हुए कहा कि वसंत पंचमी का धार्मिक महत्व के साथ सामाजिक महत्व भी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन माता सरस्वती प्रकट हुई थी इसी लिए वसंत पंचमी के दिन माता सरस्वती की विशेष पूजा की जाती है। माता सरस्वती को विद्या एवं बुद्धि की देवी माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान ब्रह्म ने इसी दिन ब्रह्माण्ड का निर्माण किया। धार्मिकता के साथ इस पर्व का पर्यावरणीय महत्त्व भी है। ऋतु परिवर्तन के साथ वसन्त ऋतु का आगमन होता है। ऋतु के साथ मौसम की चाल बदलने लगती है। नव पल्लव के साथ मौसम में परिवर्तन स्पष्ट नजर आने लगता है। यह नूतन सृजन का संकेतक पर्व है नव उर्जा के संचार का पर्व है। अन्त में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सरस्वती पूजन एवं विद्यारम्भ संस्कार विधिवत संपन्न हुआ

नैनी। नैनी सरस्वती विद्या मंदिर माधव ज्ञान केंद्र इंटरमीडिएट कॉलेज में सरस्वती पूजन एवं विद्यारम्भ संस्कार विधिवत संपन्न हुआ, लगभग 235 छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का विद्यारंभ संस्कार सरस्वती वंदना के बाद संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर विंध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी ने छोटे बच्चों को शहद चटाया तथा उन्हें कॉपी पर ओम व स्वास्तिक का चिन्ह चंदन रोली से लिखवाया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका निशी शर्मा ने किया। इस अवसर पर बनवारी लाल चौरसिया, रतन कुशवाहा ,सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं, अभिभावक गण व बड़ी संख्या में छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चे उपस्थित रहे।

महिला की जान बचाने वाले कॉन्स्टेबल सम्मानित

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एक महिला की जान बचाने वाले रेलवे सुरक्षा विशेष बल के कॉन्स्टेबल श्यामधर मौर्य को सम्मानित किया गया। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में बुलाकर कॉन्स्टेबल को एक हजार रुपए का नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा की ओर से सम्मानित किया गया। जान जोखिम में डालकर बचाई थी जानः घटना 11 फरवरी को प्रयागराज जंक्शन पर हुई थी। यहां गाड़ी संख्या 20403 बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर एक पर प्लेस होने के दौरान एक महिला यात्री ट्रेन के नीचे आ गई थी। तभी वहां तैनात कॉन्स्टेबल श्यामधर उसे बचाने के लिए कूद गया। महिला की जान बचाने के लिए उसने अपने जान तक की परवाह नहीं की। उसने महिला यात्री को पकड़कर खींच लिया और जान बचाई।

क्यूआर कोड शराब के ढक्कन के साथ दो गिरफ़्तार

झूंसी। आबकारी विभाग ने मुखबिर की सूचना पर झूंसी पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार की रात दो लोगों को रेडिको ब्रांड का नकली ढक्कन, नकली क्यूआर कोड के साथ गिरफ्तार किया। बताया गया कि दोनों नकली शराब की बोतल के लिए यह समान लेकर मध्य प्रदेश जा रहे थे। आबकारी निरीक्षक फूलपुर नेहा सिंह बताया कि मंगलवार की रात पुराना बस अड्डा नई झूंसी के निकट बस से उतरे दो लोगो को गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोगो के पास से मिली बोरी में शराब की बोतल में लगाने वाले क्यूआर कोड व ढक्कन भारी मात्रा में मिला। बताया जाता है कि नकली शराब की शीशी में ये क्यूआर कोड व ढक्कन लगाने के लिए मध्य प्रदेश ले जाया जा रहा था। पकड़े गए अविनाश कुमार बिंद निवासी धमहापुर जनपद भदोही व कृष्ण कुमार जायसवाल लखवार कोटरा कला रींवा मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गढ़वा, वि. ख. सैदाबाद, प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/2023-24

अल्पकालीन निविदा सूचना

दिनांक 01-02-2024

मनरेगा योजना के अन्तर्गत वर्ष–2023–24 में निम्नलिखित निर्माण कार्यों को करने हेतु ग्राम पंचायत गढ़वा से पंजीकृत ठेकेदारों से निविदाएं सील बन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 02.02.2024 से 17.02.2024 को सायं 5 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय में कार्यदिवस में देखी जा सकती है। एक व समस्त निविदा को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत अधिकारी गढ़वा को होगा। निविदा दिनांक 18.02.2024 को सायं 5 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से कार्यदिवस में प्राप्त की जा सकती है। कार्य हेतु निविदा डाली जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	सामग्री
1.	पूजा देवी के भूमि पर कैटल शेड निर्माण कार्य	1.24 (लाख)	ईट, बालू, सीमेंट, टीन चद्दर, आयरन, आदि
2.	कौशिल्या के भूमि पर कैटल शेड निर्माण कार्य	1.16 (लाख)	ईट, बालू, सीमेंट, टीन चद्दर, आयरन, आदि

रीता त्रिपाठी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत गढ़वा
वि0 ख0 सैदाबाद प्रयागराज

कौशलेश पाण्डेय
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत गढ़वा
वि0 ख0 सैदाबाद प्रयागराज

कार्यालय जिला कृषि अधिकारी, कौशाम्बी

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद के राजकीय कृषि प्रक्षेत्र कोखराज, गौसपुर टिकरी, एवं राजकीय कृषि प्रक्षेत्र प्रतापगढ़ का रबी 2023 में उत्पादित बीजों के छानस की नीलामी सार्वजनिक रूप से दिनांक 17.02.2024 को पूर्वान्ह 11.00 बजे राजकीय बीज बिधायन संयत्र कोखरात जनपद कौशाम्बी पर की जायेगी। छानस स्आक राजकीय बीज विधायन संयत्र कोखराज पर भण्डारित है। छानस स्टाक की स्थिति का निरीक्षण विधायन संयत्र पर किया जा सकता है। इच्छुक व्यक्ति नीलामी में भाग ले सकते हैं। छानस स्टाक का विवरण निम्नवत है–

क्र0सं0	फसल का नाम	उत्पादन वर्ष	प्रक्षेत्र का नाम एवं प्राप्त छानस (मात्रा कु0 में)			योग (मात्रा कु0 में)
			कोखराज	गौसपुर टिकरी	प्रतापगढ़	
1.	गेहूँ HD-3226	रबी –2023	25.77	–	–	25.77
2.	गेहूँ DBW-187		31.84	–	–	31.84
3.	गेहूँ DBW-222		–	12.69	–	12.69
4.	गेहूँ HD-3249		–	25.04	–	25.04
5.	राई		–	1.02	0.90	1.92
6.	चना		0.4	–	–	0.40

नीलामी की शर्तें

1. नीलामी बोली बोलने वाले प्रत्येक व्यक्ति को रूपये 5000.00 जमानत के रूप में अग्रिम जमा करना होगा। नीलामी बोली समाप्त होने पर प्रथम एवं
   द्वितीय बोली बोलने वाले को छोड़कर शेष की जमानत धनराशि वापस कर दी जायेगी।
2. नीलामी बोलने वाले व्यक्ति को पहचान पत्र (आधार कार्ड/पैन कार्ड/निर्वाचन पहचान पत्र) की मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी।
3. नीलामी कार्यवाही गठित समिति के समक्ष की जायेगी।
4. अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति को सम्पूर्ण धनराशि की 25 प्रतिशत धनराशि तुरन्त नगद जमा करना होगा।
5. नीलामी स्वीकृति के एक सप्ताह के अन्दर सम्पूर्ण धनाशि जमा कर क्रेता को देना होगा।
6. नीलामी की अंतिम स्वीकृति सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदान की जायेगी।
7. नीलामी के संबंध में बोली बोलने वाले व्यक्तियों के कोई शर्त मान्य नहीं होगी।
8. नीलामी की आंशिक / सम्पूर्ण प्रक्रिया को निरस्त करने का सम्पूर्ण अधिकार समिति को होगा।
9. स्टाक के साथ बोरे/बोरियां नही दी जायेगी। क्रेता को स्टाक स्वयं के साधन से ले जाना होगा।
10. छानस स्टाक पर जी0एस0टी0 व अन्य कर प्रचलित दरों पर क्रेता को देना होगा।

(मनोज कुमार गौतम)
जिला कृषि अधिकारी
कौशाम्बी

नकल मिलने या परीक्षा की गोपनीयता भंग होने पर होगी कठोर कार्रवाईः डीएम

बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के लिये डीएम एवं एसपी ने बैठक, हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के 110889 छात्र-छात्रायें बोर्ड परीक्षा में होगें शामिल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने राजकीय इण्टर कालेज के परिसर में केन्द्र व्यवस्थापक, सेक्टर, स्टैटिक मजिस्टेन्ज्ट, जोनल मजिस्टेन्ज्ट के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागरा द्वारा आयोजित वर्ष 2024 की हाईस्कूल/ इण्टरमीडिएट परीक्षा 22 फरवरी से प्रारम्भ होकर 09 मार्च 2024 तक संचालित होगी।

हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट परीक्षा दो पालियों में पूर्वान्ह 8.30 बजे से पूर्वान्ह 11.45 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 2 बजे से अपरान्ह 5.15 बजे तक संचालित होंगी। हाईस्कूल/इण्टरमीडिएट की परीक्षा हेतु 199 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है जिनमें राजकीय विद्यालय 09, सवित्त विद्यालय 62 एवं वित्तविहीन विद्यालय 128 सम्मिलित है। हाईस्कूल की परीक्षा में 57114 एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा में 53775 छात्र-छात्रायें सम्मिलित होगें। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं में कुल 110889 छात्र-छात्रायें शामिल होगें। बोर्ड परीक्षा हेतु 07 संवेदनशील केन्द्र है, केन्द्र व्यवस्थापक 199, वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक 199, जोनल मजिस्टेन्ज्ट 05, सेक्टर मजिस्टेन्ज्ट 25 एवं स्टेटिक मजिस्टेन्ज्ट 199 बनाये गये है।

जीआईसी में आयोजित समीक्षा बैठक में बोलते जिलाधिकारी संजीव रंजन

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वेबकास्टिंग द्वारा मानीटरिंग किये जाने के उद्देश्य से वर्ष 2024 की परीक्षा हेतु निर्धारित परीक्षा केन्द्रों के प्रत्येक परीक्षा कक्ष में दोनो ओर वाइसरिकार्डर युक्त सीसीटीवी कैमरा एवं डी0वी0आर0 के साथ राऊटर डिवाइस 24 घंटे संचालित होना आवश्यक है, इसकी मानीटरिंग प्रदेश स्तर एवं जनपद स्तर पर निगरानी की जायेगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर ड्यूटी करने वाले कक्ष निरीक्षकों एवं अन्य कर्मियों के पास परिचय पत्र एवं आधार कार्ड होना आवश्यक है। प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के परिचय पत्र बोर्ड की वेबसाइट से डाउनलोड कर प्रधानाचार्य द्वारा हस्ताक्षरित एवं जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होना आवश्यक है एवं अन्य शिक्षणेत्तर कर्मियों के परिचय पत्र प्रधानाचार्य द्वारा निर्गत जाएंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने निर्देशित करते हुये कहा कि जितने भी स्कूल/ कालेज है वहां पर पुलिस बल की तैनाती की जायेगी, स्थानीय थाने से पुलिस फोर्स, क्राइम ब्रान्च, सोशल टीम सतर्क दृष्टि बनाये रखेगें, 07 केन्द्र संवेदनशील है उन पर विशेष निगरानी रखी जायेगी। बोर्ड परीक्षा के महत्वपूर्ण प्रश्न पत्र वाले दिन विशेष निगरानी रखी जायेगी और किसी के द्वारा यदि कोई भी घटना घटित हो तो उसकी सूचना तत्काल दी जाये जिससे कि वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इन्तजाम किये जा सके। परीक्षा के दौरान किसी भी अराजक तत्व द्वारा यदि परीक्षा में व्यवधान डाला जायेगा तो सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी अधिकारी टीम भावना साथ कार्य करें और परीक्षा को नकलविहीन एवं सकुशल सम्पन्न करायें। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक सरदार सिंह, उपजिलाधिकारी सदर उदयभान सिंह, केन्द्र व्यवस्थापक, प्रधानाचार्य, जोनल, स्टेटिक एवं सेक्टर मजिस्टेन्ज्ट व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 मो0 अनीस ने किया।

बसंत पंचमी पर बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के छात्रों ने दी प्रस्तुति

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जरूरतमंद छात्रों के लिए भंगवा में संचालित बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के फ्री स्टडी सेंटर पर बसंत पंचमी का पूजन और वंदन धूमधाम से हुआ। छात्रा मुस्कान विश्वकर्मा ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत की। स्मिता, प्रिया, लाजू, रिया, साक्षी, सलोनी, मानसी, नैंसी, सिमरन और प्रिंस समेत कई छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस मौके पर बेहतर प्रस्तुति देने वाले विजताओं को पेन बैंक की तरफ से उपहार में पेन दिया गया। कार्यक्रम का संचालन टीचर दामिनी ने किया। प्रिंसिपल शनि सरोज ने बसंत पंचमी पर्व पर प्रकाश डाला।

सामूहिक विवाह देखने गया किशोर तीन दिनों से गायब परिजनों में कोहराम पुलिस थाने पहुचे सैकड़ो ग्रामीण

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। सामूहिक विवाह देखने और शामिल होने आया मानिकपुर थाना क्षेत्र का एक किशोर वापस घर नहीं पहुचा तो परिजन अनहोनी की आशंका से परेशान हो गये। मानिकपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव का लड़का 11 फरवरी को कुंडा मे हुए सामूहिक विवाह मे शामिल होने अपने दोस्त के साथ कुंडा आया था। उसका दोस्त भड़चक का रहने वाला शुभम पटेल तो घर वापस पहुंच गया लेकिन ब्रजेश वापस घर नही पहुचा। इस बात की सूचना मिलते ही की उसका दोस्त घर आ गया लेकिन ब्रजेश घर वापस नही पहुचा तो परिजन परेशान हो उठे। उसकी मां गुड़िया देवी ने पहले कुंडा थाने पहुंची तो उसे मानिकपुर थाने भेज दिया गया। लेकिन मानिकपुर पुलिस ने संवेदनशीलता नही दिखाई तो सैकड़ो की संख्या मे ग्रामीन थाने का घेराव करने पहुचे। इधर पुलिस का कहना है की तहरीर मिली है जाँच करवाई जा रही है। इधर गायब ब्रजेश के परिजनों को कहीं से ये पता चला की उसका मोबाइल फोन कुंडा क्षेत्र मे ही कही अंतिम बार लोकेट हुआ था तो उनकी परेशानी घबराहट मे तब्दील हो उठी।

स्टेशन पर महिला गैंग के बीच जमकर मारपीट, पुलिस नदारद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पंजाब मेल एक्सप्रेस ट्रेन में उतरने को लेकर दो पक्ष की महिला गैंग में जमकर मारपीट हुई। बाद में दोनो तरफ से मर्दों ने मोर्चा संभाल लिया। जिससे प्लेटफार्म पर भगदड़ मच गई। उस समय जीआरपी वाले नदारद रहे। आरपीएफ वाले मौके पर गए। दोनों पक्षों को जीआरपी थाने पर लाने के बाद मजमा लग गया। यहां पर भी महिलाओं का गुस्सा सातवें आसमान पर था। वे भिड़ने का कोई मौका नहीं छोड़ रही थी। सिपाही और दरोगा तमाशबीन बने रहे। बाद में आरपीएफ महिला आरक्षी आकर दोनों को शांत कराने लगी। जीआरपी का एक सिपाही मामले को तूल देना चाहता था। फिलहाल इस मामले में दोनो पक्षों के मर्दों को हिरासत में लिया गया है। लिखा पढ़ी नहीं हुई थी। जीआरपी एसओ ट्रेन चेकिंग में बाहर गए थे। जानकारी के अनुसार पंजाब मेल एक्सप्रेस आई थी। रेल कर्मियों की मानें तो उतरने के चक्कर में दो पक्षों की महिलाओं के जमकर जूतम पैजार हुई। एक पक्ष की महिलाएं भारी पड़ी। उसके बाद मर्द भिड़ गए। अधिक पिटने वाली महिला ने फोन करके अपने लोगों को थाने पर बुला लिया। इस घटना के बाद थाने पर काफी मजमा लग गया। एसओ देवेंद्र सिंह का कहना है कि वे ट्रेन चेकिंग में हैं। उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। आने पर ही कुछ बता पाऊंगा।

.....आओ मेरे कंठ विराजो, कृपा करो अब अपना स्वर दो

यश भारती पुरस्कार विजेता डा0 शिवानी ने भव्य ढंग से किया मां सरस्वती का पूजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बसंतोत्सव पर शहर में वैसे तो जगह मां सरस्वती का पूजन के अनेक कार्यक्रम हुए लेकिन शहर का मुख्य सरस्वती पूजन का कार्यक्रम लब्ध प्रतिष्ठित संगीतज्ञ तथा यश भारती पुरस्कार विजेता डा0 शिवानी मातनहेलिया ने मकन्दूगंज में एक भव्य कार्यक्रम में न केवल मां भारती की पूजा अर्चना की, बल्कि वंदेमातरम का सस्वर संगीत वादनों के साथ पाठ कर इस ढंग से प्रस्तुत किया जैसे मां भारती और देश भक्ति का आज संगम हुआ हो। इस कार्यक्रम का देखकर लोग भाव विभोर हो गये थे।

सरस्वती पूजन करतीं डा0 शिवानी मातनहेलिया।

डा0 शिवानी ने आओ मेरे कंठ विराजो, कृपा करो अब अपना स्वर दो गाउं तेरी वाणी, भारती भर दो धरा पर, ज्ञान की अभिव्यंजना, खिल उठे कलियां हृदय की, आज हे पद मासना। इसके बाद सरस्वती चालीसा होने के पहले ही डा0 शिवानी ने वंदेमातरम का राग छेड़ दिया। फिर क्या था, सामने बैठे लोग भी डा0 शिवानी के वंदेमातरम के गीत पर अपना स्वर मिलाने लगे। कार्यक्रम में एक करोड़ रुपया राम मंदिर में दान देने वाले दानी सियाराम उमरवैश्य, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, संस्कार भारती के शिशिर खरे, एमडीपीजी कालेज के डा0 पीयूषकांत शर्मा, साहित्यकार राम मूर्ति सिंह व श्याम शंकर शुक्ल श्याम, अंजनी सिंह लेखपाल के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। हारमोनियम, तबला, तानपुरा, शंख मजीरा के साथ युवा वर्ग संगीतमयी मां सरस्वती पूजन में कारगर रही। पूर्वान्ह 11 बजे शुरू हुआ यह कार्यक्रम अपरान्ह डेढ़ बजे समापत हुआ। बता दें कि हर वर्ष शहर में ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा डा0 शिवानी इसी तरह से करती हैं।

बसंत प्रतियोगिता पर कंपनी गार्डेन में कराई गई कम्पोस्टिंग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद् बेल्हा प्रतापगढ में स्वच्छ वसंत प्रतियोगिता के अवसर पर कंपनी गार्डन में कंपोस्ट पिट तैयार कर कम्पोस्टिंग कराई गई। पौधारोपण एवम बागवानी के साथ साथ घरों में स्थित बागानों का सौंदर्यीकरण कराया गया और कान्हा गौशाला में सफाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा बताया गया कि केंचुआ आदि कीड़ों के द्वारा गोबर आदि को विघटित करके वर्मी कंपोस्ट तैयार किया जा रहा है। कम्पोस्टिंग के बारे में लोगो को जागरूक किया गया। इस मौके पर जनमानस को नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह द्वारा बसंत पंचमी की ढेर सारी शुभकामनाएं देते हुए नगर को स्वच्छ बनाएं रखने हेतु लोगो से अपील की गई। अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील, सफाई निरीक्षक संतोष सिंह, राजस्व निरीक्षक लालबहादुर, राजेश बिंद व जे ई सभापति यादव, कान्हा गौशाला प्रभारी मिथिलेश सिंह और शुभम मिश्रा स्वच्छ भारत मिशन नगरीय डी पी एम, सफाई प्रभारी अजीत कुमार, आदि उपस्थित रहे।

गायों को चारा खिलाते नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह।

भारत जोड़ो यात्रा किसी राजनीति स्वार्थ के लिये नहीं बल्कि देश को बांटने का विरोधः प्रमोद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने आज यहां पत्रकारों को बताया कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा 19 फरवरी को प्रातः आठ बजे देल्हूपुर में प्रवेश करेगी जो भुपियामऊ, भंगवा चुंगी, घंटाघर, चैक होते हुए अम्बेडकर चैराहा, मोहनगंज, सगरा सुंदरपुर, लालगंज, घुइसरनाथ धाम, सांगीपुर, अठेहा, देवरी होते हुए ककवा, अमेठी जाएगी।

मौर्य वंशीय परिणय उत्सव में 22 जोड़े परिणय सूत्र में एक दूजे के हुए

मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पुत्र योगेश मौर्य रहे मौजूद

विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने पहुँचे राजा भैया

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकाकर के परियावां इंटर कालेज के पूरे धनऊ सेख का पुरवा भिटारी के मैदान में बुधवार को दसवां मौर्य वंशीय परिणय उत्सव मे 22 जोड़े का सामूहिक विवाह बड़े ही धूम धाम के साथ मौर्य वेलफेयर सोसायटी परियावां के तत्वाधान मे आयोजित किया गया जंहा वर पक्ष के बारातियों के ठहरने की ब्यवस्था तुलसी का पुरवा व हरदेव नगर मे कमेटी द्वारा की गई थी और कन्या पक्ष के लोगो को सीधे विवाह मंडप मे पहुंचने की ब्यवस्था की गई थी।

तुलसी का पुरवा परियावा से वर पक्ष को लेकर परियावां ग्राम प्रधान अनिल कुमार मौर्य व अमृतलाल मौर्य व हरदे नगर से वर पक्ष के लोगो को रमेश कुमार मौर्य व सुरेश यादव(ग्राम प्रधान मुरस्सापुर)चाय नाश्ता कराने के बाद गाजा बाजा के साथ बरातियों के साथ घोड़े पर अगुवानी करते हुए विवाह मंडप मे पहुँचे जंहा कन्या पक्ष के बारातियों व मौर्य वेलफेयर सोसायटी के कमेटी के पदाधिकारियो द्वारा बारातियों का स्वागत सत्कार किया गया विवाह मंडप मे मौजूद कोमल चंद्र मौर्य शास्त्री ने सामूहिक विवाह मंडप मे 22 जोड़े का रीत रशम के साथ पूजन अर्चन कराकर सम्पन कराया। मुख्यतिथि के रूप मे आये अतिथियों का कमेटी केपदाधिकारियो ने माला पहनाकर स्वागत एव आभार ब्यक्त किया। मुख्यतिथि ने सभी विवाहित जोड़ो को अपना आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया और कहा कि प्रत्येक वर्ष आयोजित मौर्य वेलफेयर सोसायटी के परिणय सूत्र मे गरीब वर कन्याओ का सामूहिक विवाह बहुत ही सराहनीय के योग्य है कन्यादान से बढ़कर कोई दान नही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता गौतम कुशवाहा व सुनील कुमार मौर्य व संचालन लालता प्रसाद मौर्य व महेंद्र प्रसाद मौर्य ने किया। विवाह कार्यक्रम मे यूनिक समाज सेवा संस्थान के संरक्षक डा रामप्रताप, संस्थापक लवलेश कुमार, अध्यक्ष राहुल कुमार अपनी टीम के बिनोद् कुमार,पंकज कुमार नवल किशोर, अभिषेक, धीरेन्द्र कुमार उदयभान, अजय ,राजेंद्र आदि लोग रहे। सामूहिक विवाह मे सहयोग करने वाले कमेटी सरक्षक जानकी प्रसाद मौर्य, सुंदरलाल साहब, प्रदीप मौर्य, कुंवर बहादुर मौर्य, रामचंद्र मौर्य, राहुल मौर्य, विजय प्रकाश मौर्य, सरल मौर्य, सुनील कुमार मौर्य, संजय मौर्य, रामेश्वर प्रसाद मौर्य, शिव कुमार मौर्य, अनिल टेंट हॉउस, वीरेंद्र मौर्य, जीतेन्द्र मौर्य, निखिल मौर्य, वासदेव मौर्य, रामजस मौर्य, हरीलाल मौर्य आदि लोग शामिल रहे। उधर भाजपा सासद विनोद सोनकर भी विवाह कार्यक्रम मे पहुंचकर विवाहित जोड़ो को आशीर्वाद दिया और राजा भैया ने वेलफेयर सोसायटी कमेटी को एक लाख एक हजार रुपया वर कन्या को आशीर्वाद के रूप मे उपहार भेट क्या।

विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने जाते राजा भैया।

लालगंज को शैक्षिक तथा आर्थिक व न्यायिक क्षेत्र में मिलेगा आदर्श टाउन एरिया का दर्जा: मोना

प्रमोद तिवारी तथा मोना ने बाईपास व पुल समेत करोड़ों की सौंपी सौगात

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के साथ लालगंज के संगम चैराहे से राजेन्द्र नगर तक नहर पिच मार्ग को छः करोड़ आठ लाख की लागत से तीन किलोमीटर लम्बे तथा पांच मीटर चैड़े बाईपास का तोहफा दिया।

वहीं सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक मोना ने नहर मार्ग पर नगर पंचायत कार्यदायी संस्था द्वारा साढ़े छः लाख रुपए की लागत से निर्मित पक्के पुल का भी समारोहपूर्वक लोकार्पण किया। संगम चैराहे पर बाईपास की विधायक मोना व प्रमोद तिवारी ने आधारशिला रखी तो नगर के लोगों के साथ व्यापारियों तथा अधिवक्ताओं व स्कूली छात्र छात्राओं के भी चेहरे खिल उठे दिखे। सांगीपुर वार्ड में हुई विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बतौर मुख्यअतिथि विधायक आराधना मिश्रा मोना ने बताया कि इस तीन किलोमीटर लम्बे बाईपास के बन जाने से सांगीपुर तथा अठेहा क्षेत्र के लोगों को प्रतापगढ़ पहुंचने में सुविधा के साथ जौनपुर वाराणसी तथा रायबरेली की तरफ से भी आने वाले वाहनों को आवागमन के लिए अब बेहतर सुविधा मुहैया होगी। जनसभा की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि तीन किलोमीटर के इस बाईपास की गुणवत्ता अव्वल बनाने के लिए प्रति किलोमीटर इस पर दो करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च होगी। जनसभा का संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी ने स्वागत भाषण में नगर विकास का खाका खींचा। वहीं ब्लाक प्रमुख इं. अमित सिंह पंकज ने लोगों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर केडी मिश्र, प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, डा. वकील अहमद, डा. आरएस त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

संगम चौराहे पर बाईपास की आधारशिला रखतीं विधायक मोना तथा प्रमोद तिवारी।

शहीदों की याद में मेडिकल कॉलेज में लगा रक्तदान कैंप

प्रतापगढ़। डाक्टर सोने लाल पटेल स्वशासी मेडिकल परिसर में पुलवामा के शहीदों की याद में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। जिसमें कालेज के छात्रों ने रक्तदान कर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रिंसिपल डॉ सलिल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में लगे रक्तदान शिविर में मेडिकल के 16 छात्रों ने रक्तदान किया। इस मौके पर पैथोलॉजी और ब्लड बैंक फैकल्टी की तरफ से प्रोफेसर डाक्टर अमित कुमार, डाक्टर दीपिका केसरवानी, दीपिका पांडेय, शुभम मिश्रा और आफरीन फातमा समेत कई डाक्टर और छात्र मौजूद रहे। रक्तदनियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। बता दें कि डाक्टर दीपिका केसरवानी के ब्लड बैंक प्रभारी बनने के बाद ब्लड डोनेशन कैंप के कार्यक्रमों में तेजी आई हैं। रक्तकोष में अब ब्लड की शायद ही कमी होने पाए। प्रिंसिपल डॉ सलिल भी इससे इत्तेफाक रखते हैं।

भाजपा कार्यालय पर आयोजित हुआ सदर विधानसभा मिलन समारोह

सैकड़ो लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भाजपा पार्टी कार्यालय प्रतापगढ़ पर आयोजित हुआ सदर विधानसभा मिलन समारोह जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि जिला प्रभारी कौशलेंद्र पटेल,सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य, जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव, लोकसभा प्रभारी सुशील उपाध्याय, लोकसभा संयोजक राय साहब सिंह एवं चुनाव जॉइनिंग कमेटी के संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष के के सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह की शुरूआत की।

विधान सभा मिलन समारोह में मौजूद पदाधिकारीगण।

जिला अध्यक्ष आशीष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित राजनीतिक दल है। यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी कौशलेंद्र पटेल ने बताया कि भाजपा के अनुसार एकात्म मानववाद हमारा मूल दर्शन है। हमारा मानना है कि समाज और राज्य सबकी चिन्ता करेंगे। जॉइनिंग कमेटी के संयोजक पूर्व जिला अध्यक्ष के के सिंह, सदस्य जिला महामंत्री राजेश सिंह व पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी की त्रिस्तरीय समिति ने आज कांग्रेस पार्टी छोड़ कर आए पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ प्रतापगढ़ राम चंद्र सिंह और उनके सैकड़ों शिक्षक साथियों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई, प्रमुख व्यवसाई सुनील मौर्य व उनके 25 साथियों को सदस्यता ग्रहण कराई।

खबर संक्षेप

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

अझुवा कौशांबी सैनी कोतवाली के लोंहदा मोड़ के पास आज बुधवार बाइक सवारों को अनियंत्रित कार ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर कर गंभीर घायल हो गए। घटनाक्रम के मुताबिक सूरज दीन पुत्र सुंदरलाल पाल निवासी ग्राम सभा भडेहरी थाना सैनी अपने बेटे इंद्रपाल के साथ अझुवा के कांशीराम कालोनी के किसी वैध से इलाज हेतु आए थे घर वापसी समय लोंहदा मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग में बीच सड़क डिवाइडर पर रखे पत्थरों के बीच निकलना चाहा तभी कानपुर की तरफ से प्रयागराज की तरफ जा रहे कार की चपेट में आ गए जिसपर बाइक सवार पत्थरों से भिड़ गए उसी समय पूर्व प्रधान परास माजिद अली पहुंच गए। घायलों को अपनी गाड़ी में लादकर सिराथू स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया और परिजनों को सूचना दिया सूचना पर पहुंचे परिजन गंभीर घायल सूरज दीन उम्र 50 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है वहीं पथरावा चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जनपद को तम्बाकू धूम्रपान मुक्त घोषणा-पत्र का किया गया अनावरण

राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को धूम्रपान/तम्बाकू सेवन न करने के प्रति किया जाय जागरूक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी राजेश कुमार राय ने बुधवार को मुख्य चिकित्साधिकारी सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित जनपद को तम्बाकू/धूम्रपान मुक्त घोषित किये जाने के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियन्त्रण कार्यक्रम के तहत जनपद को तम्बाकू/धूम्रपान मुक्त घोषणा-पत्र का अनावरण किया गया।जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को संकल्प-ह्लमैं शपथ लेता हूॅ कि जनपद कौशाम्बी को तम्बाकू मुक्त बनाने के महाभियान में सच्चे मन के साथ सक्रिय रूप से भाग लूंगा। व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जन स्वास्थ्य की दृष्टि से मैं स्वयं तम्बाकू का सेवन नहीं करूंगा तथा समाज के सभी लोगों को तम्बाकू न सेवन करने के लिए प्रेरित करूंगा। समयबद्ध कर अपने कार्य स्थल को तम्बाकू मुक्त करने के लिए पूरी तन्मयता के साथ मैं अपना योगदान दूंगा दिलाया। जिलाधिकारी ने कहा कि एनजीओ द्वारा किये गये सर्वे में प्रदेश के 09 जनपदों को धूम्रपान/तम्बाकू

मुक्त घोषित किये जाने की रिपोर्ट दी गई, जिसमें जनपद कौशाम्बी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पाद, प्रदाय और वितरण व विनियमन) अधिनियम (सीओटीपीए)-2023 की धारा-4, धारा 6अ, 6ब व 7 का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से किया गया, यह एक अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि हम सब का दायित्व और बढ़ जाता है कि इस महाअभियान को और प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करें। सभी अधिकारी अपने कार्यालयों में धाराओं का अनुपालन शत-प्रतिशत क्रियान्वित रखें तथा इसमें नियमित जॉच भी किया जाय। उन्होंने कहा कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को धूम्रपान/तम्बाकू सेवन न करने के प्रति जागरूक किया जाय तथा कमेटी बनाकर प्रवर्तन की कार्यवाही भी किया जाय। उन्होंने कहा कि ऑगनबाड़ी केन्द्रां एवं पंचायत भवनों सहित आदि स्थानों पर साइनेज बोर्ड लगवाया जाय। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करायी जाय तथा विभागीय लक्ष्यों में शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किया जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार ने अवगत कराया कि महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ के आदेशानुसार एवं वालण्टरी हेल्थ एसोसिएशन लखनऊ, द यूनियन नई दिल्ली एवं गिरि विकास अध्ययन संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पाद, प्रदाय और वितरण व विनियमन) अधिनियम (कोटपा)-2023 के सर्वे के आधार पर तम्बाकू एवं तम्बाकू उत्पाद के उपयोग न करने में प्रदेश में जनपद को तम्बाकू मुक्त घोषित करने के निर्देश प्राप्त हुआ था। उन्हांने बताया कि वालण्टरी हेल्थ एसोसिएशन लखनऊ, द यूनियन नई दिल्ली एवं गिरि विकास अध्ययन संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में कोटपा-2023 के विभिन्न प्राविधानों/धाराओं के अनुपालन की अद्यतन स्थिति ज्ञात किये जाने के लिए सर्वे किया गया। इस सर्वे में जनपद कौशाम्बी में धारा-4 (सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध) के अनुपालन की स्थिति 87.92 प्रतिशत, धारा-6ए (तम्बाकू उत्पादों की बिक्री 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति के करने पर प्रतिबंध) के अनुपालन की स्थिति 86.67 प्रतिशत धारा-6बी (शिक्षण संस्थाओं के 100 गज की परिधि में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध) के अनुपालन की स्थिति 78.96 प्रतिशत एवं धारा-7 (तम्बाकू के उत्पादों के पैकेजों पर निर्दिष्ट स्वास्थ्य चेतावनी का प्रदर्शन) के अनुपालन की स्थिति 85 प्रतिशत पाया गया। नोडल अधिकारी डॉ0 कृष्ण देव सिंह ने कहा कि आप अपने आपको स्वस्थ रखते हुए समाज को आगे ले जाने का कार्य करते हैं, क्योंकि तम्बाकू, पान मसाला, गुटका का सेवन कर आप अपना और अपने परिवार का सही तरह से पालन पोषण नहीं कर पायेंगे। तम्बाकू/धूम्रपान के सेवन से गैर संचारी रोगों का पता लगने में समय लगता है। जो लोग तम्बाकू का प्रयोग करते हैं वह इसके शिकंजे में जल्दी आ जाते हैं, जिससे अल्प आयु से पहले उनकी असमय मृत्यु हो सकतीं हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. रवि किशोर त्रिवेदी तथा उप मुख्य चिकित्साधिकारीगण डॉ. हिन्द प्रकाश मणि एवं डॉ. राहुल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घर का ताला काटकर लाखों रुपए के जेवर सहित नगदी पर किया हाथ साफ

भरवारी कौशाम्बी। भरवारी नगर पालिका परिषद अंतर्गत परसरा चौराहा पर 13 तारीख की रात्रि में कार सवार नकाब पोश बदमाशो ने अशोक कुमार पुत्र छोटे लाल अग्रहरी निवासी परसरा चौराहा भरवारी के बंद पड़े सूने घर को अपना निशाना बनाते हुए घर मे रखा लाखो रुपए का सोने चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया साथ ही लाखो रुपए नगद भी उठा ले गए। बता दे मकान मालिक अशोक कुमार अग्रहरी दिनाक 10 फरवरी से तेरह फरवरी तक अपनी नतनी की शादी में हकीम पुरखंतवा गए हुए थे ' तभी बदमाशो को इसकी जानकारी होते ही कार सावर नकाब पोश बदमाशो ने घर मे लगा सी सी कैमरा को डंडे से ऊपर करके ताला काटकर अंदर घुसे ' घर मे घुसने पर उन बदमाशो ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखा चार अंगूठी सोने की एक जंजीर सोने की

एक लाकेट सोने की एक टाप्स चांदी की चैन पट्टी चांदी एक पीस हाफ पेटी चांदी की 250ग्राम

नकाब पोश बदमाशो ने सूने पड़े घर को बनाया निशाना

तीसरी आंखो पर विश्वाश किए जाय तो घटना से कुछ समय पहले पुलिस गस्त कर निकली थी वहां से

10जोड़ा बिछिया चांदी तथा 175000 हजार नगद सहित लगभग चार लाख रुपए की कीमत पर हाथ साफ किया ।'सब मिलाकर अगर चोरों की औकात की बात की जाय तो इस से अंदाजा लगाया जा सकता हैं की चोरों की भी हैसियत पैदल नहीं कार से चोरी कराने आने लगे हैं जबकि तीसरी आंख पर यकीन करे तो घटना से कुछ मिनट पूर्व पुलिस गस्त करके निकली थी उसके बाद ही घटना घट गए 'जबकि उक्त चौराहे पर हमेशा पुलिस के जवान मुस्तैद रहते थे।

रोडवेज बस चालू कराए जाने की मांग

क्षेत्रीय प्रबंधक से 15 फरवरी गुरुवार को मिलेंगे सकिपा नेता जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी धाता कस्बे एवं सिराथू ब्लॉक के सीमावर्ती गांव खुझा मजरा अफजलपुरवारी से मंझनपुर होकर प्रयागराज तक रोडवेज बस चालू कराए जाने की मांग को लेकर 15 फरवरी गुरुवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक से प्रयागराज जाकर मिलेंगे। इस संबंध में अजय सोनी ने एक बताया कि कौशांबी जिले के लोगों के आवागमन को सुगम करने के लिए समर्थ किसान पार्टी के तत्वावधान मे गुरुवार 15 फरवरी को प्रयागराज जाकर परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक से मिलेंगे और धाता से जुवरा, नारा चौराहा, दुवरा चौराहा, मंझनपुर होकर प्रयागराज तक एवं खुझा मजरा अफजलपुरवारी से उदहिन बुजुर्ग चौराहा, तुलसीपुर, मंझनपुर होकर प्रयागराज तक रोडवेज बस चालू कराने की मांग करेंगे।

तीन पंचायत सेक्रेट्रियों से रिकवरी का आदेश जारी

कौशाम्बी। जिले की तीन ग्रामसभाओं में तैनात पंचायत सचिवों को धनराशि का दुरुपयोग करना भारी पड़ गया। ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा होने के बाद डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने तीनों पंचायत सचिवों के वेतन से धनराशि वसूली का आदेश जारी किया है। डीपीआरओ का आदेश जारी होते ही संबंधित सचिवों में खलबली मच गई है। विकास खंड मूरतगंज के उमरछा गांव में तैनात रहे पंचायत सचिव धर्मेंद्र कुमार पांडेय द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 में विकास के धन का दुरुपयोग किया गया था। ऑडिट के दौरान यहां पर 532765 रुपये का गबन पाया गया। इसी तरह विकास खंड नेवादा के दुगार्पुर गांव में वित्तीय वर्ष 2014-15 में तैनात रहे पंचायत सचिव कमलाकांत मिश्र पर 848876 रुपये का दुरुपयोग ऑडिट में मिला। इसी ब्लॉक के घोषिया गांव में वित्तीय वर्ष 2014-15 में तैनात रहे सेक्रेटरी कमलाकांत पर 855991 रुपये का दुरुपयोग पाया गया। ऑडिट रिपोर्ट में दुरुपयोग का खुलासा होने पर डीपीआरओ ने तीनों सचिवों से आधी रकम की रिकवरी का आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में डीपीआरओ ने उमरछा सचिव रहे धर्मेंद्र कुमार पांडेय से 266382 रुपया, दुगार्पुर सचिव कमलाकांत मिश्र से 424448 रुपया व घोषिया ग्रामसभा के दुरुपयोग मामले में इसी तरह पंचायत सचिव से 427995 रुपया रिकवरी का आदेश जारी किया है। डीपीआरओ ने कमलाकांत मिश्र के वेतन से घोषिया गांव की रिकवरी दस हजार रुपया, दुगार्पुर की 15 हजार रुपया तो उमरछा सचिव से 20 हजार रुपया प्रतिमाह वेतन से कटौती करने का आदेश जारी किया है। डीपीआरओ के आदेश से तीनों सचिवों में खलबली मच गई है।

न्यूज झरोखा

जन शिक्षण संस्थान द्वारा पी एम विश्वकर्मा आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षार्थियों को वितरित किया गया प्रमाण पत्र

कौशाम्बी जन शिक्षण संस्थान कौशांबी द्वारा पी एम विश्वकर्मा आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षार्थियों को 14 फरवरी को प्रमाण पत्र वितरित किया गया उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 30 जनवरी 2024 से 3 फरवरी 2024 तक प्रथम बैच चलाया गया जिसका एसेसमेंट दिनांक 4 फरवरी 2024 को किया गया तथा द्वितीय बैच दिनांक 5 फरवरी 2024 से 9 फरवरी 2024 को समाप्त किया गया जिसका एसेसमेंट दिनांक 10 फरवरी 2024 को किया गया दोनों बैच का प्रमाण पत्र जिला उद्योग केंद्र कौशांबी के उद्यमी मित्र भानु द्विवेदी एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय से श्रीमती उमा साहू के द्वारा दोनों बैच के 79 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया इस प्रमाण पत्र के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक राजकुमार पांडे ने सभी अतिथियों एवं सभी प्रशिक्षार्थियों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया उक्त प्रशिक्षण में संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी संजय सिंह सहायक कार्यक्रम अधिकारी विजेंद्र मिश्रा श्रद्धा तिवारी सतीश प्रशिक्षिका स्वाती मिश्रा रेखा देवी करिश्मा देवी आदि प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे।

अनियंत्रित अज्ञात कार सवार ने बाइक व साइकिल चालक को मारी टक्कर

अझुवा कौशांबी पैसा थाना क्षेत्र के कैमा शिव मंदिर के पास अज्ञात कार सवार ने बाइक और साइकिल सवार को टक्कर मार दी जिससे दोनो सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए टक्कर मार कर कार चालक मय वाहन फरार हो गया मौके पर पहुंचे लोगों ने साइकिल सवार साधु जो कि अघोरी बाबा के मंदिर के पुजारी राम खेलावन निवासी बदबदा पर को जिला अस्पताल एवम बाइक सवार रामू पुत्र छगई लाल निवासी अनेठा को नजदीकी सिराथू अस्पताल में भर्ती कराया हैं जहां दोनो की हालत नाजुक बताई जा रही है।

कौशाम्बी में समाजवादी बहुजम समाजवादी को झटका

सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष बसपा के पूर्व चायल प्रत्याशी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा में हुए शामिल

कौशाम्बी। जिले में राजनीतिक हलचल से सपा और बसपा को झटका लगा है,सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे खड़ग सिंह पटेल और बसपा के पूर्व चायल प्रत्याशी अतुल द्विवेदी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए है। कौशाम्बी जिले में बीजेपी का विधानसभा मिलन समारोह आयोजित था,कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य भी मौजूद थे,भाजपा जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष खड्ग सिंह पटेल और बसपा के पूर्व चायल प्रत्याशी अतुल द्विवेदी ने सैकड़ों सपा और बसपा कार्यकताओं के साथ भाजपा का दामन थाम लिया है। सपा और बसपा के नेताओं और सैकड़ो कार्यकर्ताओ के भाजपा में शामिल होने से अब भाजपा जिले में और अधिक मजबूत हो जायेगी।भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने भाजपा में सभी को शामिल कराया और उनका सम्मान किया।

अबकी बार चार सौ पार का नारा होगा साकार : धर्मराज मौर्य

भाजपा ने पांचों विधानसभाओं में मिलन समारोह किया आयोजित, 400 से अधिक लोगों ने थामा भाजपा का दामन

अझुवा कौशांबी। भाजपा जिला कार्यालय मंझनपुर में विधान सभा मिलन समारोह आयोजित हुआ। लोकसभा चुनाव केन्द्रीय चुनाव कार्यालय में बीजेपी ने चुनावी बिगुल बजा दिया है। लोकसभा चुनाव को लेकर कार्यक्रम के संयोजक अरविंद द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कहा लोक सभा चुनाव का शंखनाद हो गया है।लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा जिले में अपना किला और मजबूत किया है। मिशन-2024 के दृष्टिगत? बुधवार को विधानसभाओं में मिलन समारोह आयोजित हुआ जिसमें विपक्षी दलों के लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बताया कि पांचों विधानसभाओं में सपा, बसपा व कांग्रेस से लगभग 400 से अधिक लोग भाजपा में शामिल हुए।जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बताया कि

पार्टी कार्यकर्ता हर बूथ पर प्रचंड जीत का परचम लहराने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं। उन्होंने कहा यह चुनाव कार्यालय अब सभी चुनावी गतिविधियों का केंद्र होगा। अबकी बार 400 के पार के नारे को साकार रूप देना है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रति लोगो का विश्वास बढ़ा है। जिससे लोकसभा के सभी सीटो पर भाजपा जीतेगी और कमल खिलेगा। जिले के उपाध्यक्ष कार्यक्रम के सहसंयोजक अजय एवं जिला प्रभारी अवधेश चंद्र गुप्ता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बूथ जीतो चुनाव जीतो का मंत्र दिया। स्वागत भाषण में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने कार्यकताओं की तरफ से आश्वासन दिया कि इस बार फिर ऐतिहासिक मतों से कमल खिलेगा, उन्होंने सभी कार्यकताओं को पार्टी के अभियानों में जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन अजय पाण्डेय, वरिष्ठ भाजपा नेता भोलेशंकर कुशवाहा, पूर्व विधायक लाल बहादुर, जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी, (बच्चा भाई) दिनेश पाण्डे, अजय पाण्डे, विनय पाण्डे, सांसद प्रतिनिधि भूपेन्द्र सिंह पटेल एवं सपा से भाजपा में शामिल हुए खड़ग सिंह पटेल अपने समर्थकों सहित भाजपा में शामिल हुए। वहीं अतुल द्विवेदी अपने समर्थकों सहित, अतुल चौधरी, कमला कांत मिश्र, ज्ञान सरोज, नीरज साहू, लाल चंद्र सरोज, पप्पू चौधरी, आशारानी मुख्य रूप से भाजपा में शामिल हुए। जिला अध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सभी मण्डल के मंडल अध्यक्ष एवं जिले के जिला पदाधिकारी मौजूद रहे।

1500/ प्रति अभ्यर्थी प्रतिगाह शिशिक्षुओं को सरकार द्वारा 1000/-प्रति अभ्यर्थी प्रतिगाह किया जाएगा भुगतान

कौशाम्बी। प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उ.प्र. से प्राप्त निदेर्शानुसार प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अयोध्या द्वारा बताया गया कि शिक्षुता प्रशिक्षण के अन्तर्गत इच्छुक अभ्यर्थियों को उद्योगों/अधिष्ठानों के माध्यम से शिक्षुता प्रशिक्षण प्रदान कराया जाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है, जिसके सफल क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा वेबपोर्टल विकसित किया गया जिसका मुख्य उपयोग उद्योग / अधिष्ठानों में चयनित अभ्यर्थियों का ऑनलाइन कान्ट्रैक्ट जारी करना तथा मानदेय प्राप्त करना आदि है। जनपद में स्थापित ऐसे समस्त उद्योग / अधिष्ठान जिनके यहां कार्यरत कार्मिकों की संख्या 29 से ऊपर हैं वे सभी उद्योग / अधिष्ठान शिशिक्षु अधिनियम 1961 यथा संशोधित अधिनियन 1992 के अनुसार अनिवार्य रूप से तथा ऐसे उद्योग जिनके यहां कार्मिकों की संख्या 4-29 के मध्य है वे अपनी इच्छानुसार शिशिक्षुओं को अपने यहां प्रशिक्षण हेतु रख सकते हैं। जिसके हेतु सर्वप्रथम उनको उपरोक्त पोर्टल पर अपना पंजीकरण अधिष्ठान के रूप में करना होगा। पंजीकरण करते समय जरूरी अभिलेख जैसे कम्पनी का टैन नं०, पैन नं०, पता के साथ-साथ मूलभूत जानकारियों की प्रविष्टि करते हुये पंजीकरण पूर्ण कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए पोर्टल पर उपलब्ध क्क्ल२३१४३ङ्कल्ल' श्ङ्गि२ का लिंक प्रदान कराया गया है। इसके अतिरिक्त उद्योगों / अधिष्टानों को शिशिक्षु योजना हेतु प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार द्वारा डी०बी०टी० की व्यवस्था की गयी है, जिसके अन्तर्गत उद्योगो / अधिष्ठानों द्वारा देय निर्धारित गानदेय (न्यूनतम 7000.00 रुपए प्रतिगाह) के भुगतान में कुल रुपए 1500/- प्रति अभ्यर्थी / प्रतिगाह का भुगतान शिशिक्षुओं को भारत सरकार द्वारा उनके बैंक खाते में किया जायेगा साथ ही साथ उ०प्र० सरकार द्वारा भी सीएम-एपीएस के माध्यन से कुल रुपए 1000/- प्रति अभ्यर्थी / प्रतिनाह की दर से उद्योगों / अधिष्ठानों को प्रतिपूर्ति की जाती है। इस तरह देय मानदेय में कुल 2500/- की प्रतिपूर्ति सम्बन्धित उद्योग / अधिष्ठान को प्राप्त हो जाती है।

किसानों के मसीहा थे चौधरी अजीत सिंह : इमरान हैदर रिजवी

पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह का करारी में जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

करारी कौशांबी। राष्ट्रीय लोक दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह का 85 वा जन्मदिन करारी में पार्टी कार्यालय पर धूमधाम से मनाया गया उक्त अवसर पर पार्टी के प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी ने सर्वप्रथम पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान मसीहा चौधरी अजीत सिंह के चित्र पर फूल चढ़कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह सदैव किसान मजदूर पिछड़ों

अल्पसंख्यकों के हित में सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ी उन्होंने अपने जीवन काल में संघर्ष करते रहे वे किसान हितैषी नेता थे चौधरी साहब सात बार सांसद और केंद्र सरकार में कई बार मंत्री भी रह चुके हैं उन्होंने किसान हित में बहुत सी लाभकारी योजनाएं बनाकर किसानों को लाभ पहुंचाया आज देश का किसान उन्हें भूल नहीं पा रहा है, प्रदेश महासचिव इमरान हैदर रिजवी ने कहा कि किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी को भारत सरकार द्वारा भारत रत्न देकर उन्हे सम्मानित किया, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने किसान मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने पर भारत सरकार का बहुत-बहुत आभार जताया तथा पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर प्रसन्नता जताई, पार्टी जिला अध्यक्ष नजमुल हसन रिजवी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को कहा कि एकजुट होकर राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत करें तथा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह के शासनकाल में किए गए कार्यों को गांव-गांव जन जन तक पहुंचाएं और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद चौधरी जयंत सिंह के हाथों को मजबूत करें, कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद फहीम कादरी, सिद्ध लाल पासी , अब्दुल कवी टिकरा पनारा, भीम सरोज, अशरफ आजाद क्रांतिकारी, नजमुल हसन रिजवी, मकसूद अहमद पहाड़ी, मोहम्मद शमीम खान, चांद बाबू खान , के,सी, जयसवाल, राजेंद्र कुमार सरोज, वासुदेव यादव पंकज सिंह आदि लोगों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह को फूल चढ़कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और चौधरी अजीत सिंह अमर रहे चौधरी चरण सिंह अमर रहे राष्ट्रीय लोक दल जिंदाबाद चौधरी ज यनत सिंह जिंदाबाद का नारा लगाए।

रोजगार मेले में 138 अभ्यर्थियों को दिया गया रोजगार

कौशाम्बी कौशल विकास मिशन, राजकीय आईटीआई एवं सेवायोजन के संयुक्त तत्वाधान में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत आज एमवीआईटी इंजी. कॉलेज, कोइलहा के परिसर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें 298 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया एवं तीन नियोक्ता कम्पनियों के द्वारा कुल 138 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले का शुभारम्भ विधायक बारा वाचस्पति द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने रोजगार मेले में उपस्थित प्रतिभागी अभ्यर्थियों को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन के0के0 राम, डीएसएम योगेन्द्र कुमार शुक्ला, डीपीएम शिव नरेश शुक्ला, प्लेसमेन्ट प्रभारी सेवायोजन विनोद सिंह आदि उपस्थित रहें। दिनांक 15 फरवरी 2024 को विकास खण्ड मूरतगंज के परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेंगा, जिसमें 05 से अधिक नियोक्ता कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग करते हुये 500 से अधिक रिक्तियों के सापेक्ष्य योग्य अभ्यर्थियों के चयन की कार्यवाही की जायेंगी। यह जानकारी जिला समन्यक कौशल विकास मिशन द्वारा देते हुए बताया गया कि न्यूनतम् योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण एवं आई0टी0आई0/डिप्लोमा उत्तीर्ण तथा कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी उक्त दिनांक को प्रातः 10 बजे अपने समस्त शैक्षिक अंकपत्रों एवं प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ प्रतिभाग कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

अफजलपुरवारी से मकनपुरवारी गांव तक कब बनेगी सड़क : अजय सोनी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जिम्मेदारों द्वारा कौशांबी जनपद के विकास का पैसा गैर जनपद में खर्च करने का आरोप

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जिम्मेदारों पर मनमानी करने एवं कौशांबी जिले के विकास का पैसा गैर जनपद में खर्च करने का आरोप लगाया है।

पार्टी नेता अजय सोनी के मुताबिक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा कौशांबी जनपद के विकास के लिए आया धन कौशांबी जिले में कम फतेहपुर जनपद में ज्यादा खर्च किया गया है जबकि जिस गांव तक सड़क निर्माण के लिए विभाग को धन मिला था, उस गांव मे आज तक सड़क बनी ही नही। इसी के साथ अजय सोनी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कौशांबी जिले के जिम्मेदारों से सवाल किया है कि सिराथू ब्लॉक के ग्राम अफजलपुरवारी से ग्राम मकनपुरवारी तक प्रस्तावित सड़क का

निर्माण गैर जनपद में कैसे हो गया और अफजलपुरवारी से मकनपुरवारी गांव तक सड़क कब बनेगी! बता दें कि साल 2002 23 में सिराथू ब्लॉक के ग्राम अफजल पुरवारी से ग्राम मकनपुरवारी तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा सड़क का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित हुआ था और विभाग ने दोनो गांवों के बीच दूरी 5 किमी से अधिक दिखा कर प्राक्लन तैयार किया था। जबकि दोनो गांवों की दूरी बमुश्किल 1 से 2 किमी के बीच है। जब विभाग को अपने कारगुजारी के खुल जाने का अंदेशा हुआ तो विभागीय अधिकारियों ने इस निर्माण कार्य को कौशांबी जनपद से ज्यादा फतेहपुर जनपद के धाता ब्लॉक में करा दिया जबकि जिस गांव मकनपुरवारी तक सड़क बनाई जानी चाहिए थी, उस गांव को जाने वाला रास्ता अब भी कच्चा मार्ग है। इस संबंध में अजय सोनी ने जिला पंचायत सदन की 6 जनवरी को हुई बैठक में भी यह मुद्दा उठाया था।

अजय सोनी ने विभाग के अधिकारियों से सवाल किया है कि सिराथू ब्लॉक के ग्राम अफजलपुरवारी से ग्राम मकनपुरबारी तक सड़क कब बनाई जाएगी। साथ ही जिला प्रशासन कौशांबी और विभाग के उच्च अधिकारियों से इस पूरे प्रकरण की जांच कराए जाने एवं जिम्मेदारों पर समुचित कार्यवाही किए जाने समेत ग्राम अफजलपुरवारी से ग्राम मकनपुरवारी तक सड़क बनाए जाने की अजय सोनी ने मांग की है।

कोटा से कैसे मिटेगा आत्महत्याओं का कलंक

रमेश सर्राफ झुंझुनू, राजस्थान

कोटा में एक बार फिर कोचिंग स्टूडेंट के सुसाइड का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ का रहने वाला स्टूडेंट शुभकुमार चौधरी (16) ने सोमवार रात फंदे पर लटककर जान दे दी। डीएसपी भवानी सिंह ने बताया कि स्टूडेंट 12वीं में पढ़ाई करता था। सोमवार रात जेईई की रिजल्ट आया था। सुबह उसने पैरेंट्स का फोन नहीं उठाया तब वार्डन को कॉल किया। वार्डन ने गेट को धक्का देकर खोला तो स्टूडेंट पंखे पर लटका हुआ था। इस साल कोटा में सुसाइड का यह चैथा मामला है। 2 फरवरी को गोंडा के नूर मोहम्मद (27) ने, 31 जनवरी को कोटा के बोरखेड़ा की निहारिका (18) ने, 24 जनवरी को मुरादाबाद के मोहमद जैद (19) ने आत्महत्या की थी।

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग का सबसे बड़ा केन्द्र बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कोचिंग संचालकों को सालाना कई हजार करोड़ रुपए की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा के छात्रों की संख्या काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के दामन पर दाग लगा रही है। वर्ष 2012 से अब तक यहां 148 छात्रों ने आत्महत्या की है। कोटा में कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों द्वारा लगातार की जा रही आत्महत्या की घटनाओं से पूरा देश सकते में है। सरकार व प्रशासन द्वारा लाख प्रयासों के उपरांत भी कोटा के छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं नहीं रूक पा रही है।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने का मुख्य कारण छात्रों पर पढ़ाई करने के लिए पड़ने वाला मनोवैज्ञानिक दबाव को माना जा रहा है। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। बहुत से छात्रों के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होती है। यहां पढ़ने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से होते हैं। उनके अभिभावक आर्थिक रूप से अधिक सक्षम नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं।

कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि उनके अभिभावकों ने कितनी मुश्किल से कोचिंग लेने के लिए उन्हें कोटा भेजा है। ऐसे में यदि वह सफल नहीं होंगे तो उनके अभिभावक जिंदगी भर कर्ज में दबे रह जाएंगे। यही सोचकर छात्र हमेशा मनोवैज्ञानिक दबाव महसूस करता रहता है।

इसके अलावा यहां पढ़ने वाले छात्रों पर पढ़ाई का भी बहुत अधिक दबाव रहता है। यहां के कोचिंग संस्थानो में कई शिफ्टों में अलग-अलग बैच में पढ़ाई होती हैं। यहां पढ़ने वाले छात्रों पर मेडिकल या इंजीनियर की परीक्षा में अच्छे नंबर हासिल करने को लेकर अभिभावकों व कोचिंग संस्थानों का दबाव होता है।

कोचिंग संस्थान भी अच्छा परिणाम दिखाने के चक्कर में छात्रों को मशीन बनाकर रख देते हैं। छात्रों पर हर दिन पढ़ाई का दबाव बना रहता है तथा साप्ताहिक टेस्ट पास करने के चक्कर में छात्र दिन-रात पढ़ाई करते रहतें हैं। जिससे ना तो उनकी नींद पूरी हो पाती है ना ही वह मानसिक रूप से आराम कर पाते हैं। ऐसे में छात्र जल्दी उठकर कोचिंग संस्थान में जाकर पढ़ाई करने व दिनभर पढ़ाई में व्यस्त रहने के कारण वह तनाव में आ जाता है। बाहर से आने वाले बहुत से छात्र पढ़ाई में पिछड़ जाने के डर से आत्महत्या जैसा कदम उठा लेते हैं।

कोटा कभी राजस्थान का बड़ा औद्योगिक नगर होता था। मगर श्रमिक आंदोलनो के चलते यहां के उद्योग धंधे बंद होते गए। आज कोटा में नाम मात्र के ही उद्योग रह गए हैं। 1990 के दौरान कोटा शहर में कोचिंग संस्थान खुलने लगे थे। 2005 तक यहां बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान स्थापित हो गए जिनमें प्रतिवर्ष लाखों छात्र पढ़ने लगे। आज कोटा शहर की पूरी अर्थव्यवस्था इन कोचिंग संस्थानों पर ही निर्भर है। शहर के हर चौक-चौराहों पर छात्रों की सफलता से अटे पड़े बड़े-बड़े होर्डिंग्स बताते हैं कि अब कोटा में कोचिंग ही सब कुछ है।

यह सही है कि कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से उपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी है जो असफल हो जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना आठ हजार करोड़ का टर्नओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को सालाना 500-700 करोड़ रुपए से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है।

कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे-मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपना सेंटर खोल रही हैं। लगभग ढ़ाई लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग ले रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी वजह यहां के शिक्षक हैं। आईआईटी और एम्स जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेजों में पढने वाले छात्र बड़ी-बड़ी कम्पनियों और अस्पतालों की नौकरियां छोडकर यहां के कोचिंग संस्थाओं में पढ़ा रहे हैं। तनख्वाह ज्यादा होने से कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

कोटा में बढ़ती आत्महत्याओं की घटनाओं से चिंतित सरकार हरकत में आई है। कोटा में कोचिंग करने वाले छात्रों के लिए अलग से पुलिस थाना खोला गया है।

हॉस्टल के कमरों में ऐसे पंखे लगाए गये हैं जिन पर यदि कोई लटकने की कोशिश करेगा तो उस पर लगी डिवाइस में लगा सायरन बजने लगेगा। सरकार ने छात्रों के मानसिक तनाव के विस्तृत अध्ययन के लिए मनोचिकित्सकों की एक टीम भी बनाई है जो छात्रों से मिलकर आत्महत्याओं के कारणों की जांच करेगी। कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान कहा था कि कोटा में बच्चों की सुसाइड के लिए उनके माता-पिता जिम्मेदार हैं। क्योंकि परिजन अपने बच्चों से उनकी क्षमता से ज्यादा आस लगा लेते हैं। ऐसे में बच्चे डिप्रेशन में आते है और खुदकुशी जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते है।

केंद्र सरकार ने कोचिंग संस्थानों के लिए दिशानिदेर्शों की घोषणा की है। जिनमें कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकते। इसके अलावा न ही वे अच्छी रैंक या अच्छे अंकों की गारंटी दे सकते हैं और न ही गुमराह करने वाले वायदे कर सकते हैं। छात्रों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं, कोचिंग सेंटरों में सुविधाओं का अभाव और उनके पढ़ाने के तौर- तरीकों के बारे में शिकायतें मिलने के बाद सरकार ने इनकी घोषणा की है। दिशानिदेर्शों के अनुसार कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल परीक्षा देने के बाद हो सकेगा। इनमें छात्रों को स्ट्रेस फ्री रखने और फीस रिफंड प्रोसेस को आसान बनाने समेत कई दिशा निर्देश शामिल हैं।

कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड मामलों को लेकर प्रशासन के साथ-साथ पुलिस की स्पेशल सेल भी काम कर रही है। लेकिन फिर भी सुसाइड केस थमने का नाम नहीं ले रहे है। सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले। कोटा में पढ़ने वाले छात्र जब तक खुले मन से बिना किसी दबाव के पढाई करने लगेंगे तभी यहां का माहौल सुधरेगा। यहां चल रहे कोचिंग संस्थानों को मशीनी स्तर पर चलाई जा रही प्रतिस्पर्धा को रोककर एक सकारात्मक वातावरण बनाना होगा। तभी कोटा में पढ़ने वाले छात्र खुद को सुरक्षित महसूस कर पढाई कर पाएंगे। कोटा में संचालित कोचिंग संस्थान जब तक अपने काम को पैसे कमाने कि मशीन समझना बंद कर अपने छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार नहीं करेंगे तब कोटा के हालात नहीं सुधरेंगे।

संपादक की कलम से

किसानों की मांगें अविलम्ब पूरी हों

दिल्ली की ओर बड़ी संख्या में बढ़ते किसानों की मांगों को लेकर भारत सरकार को तुरन्त बातचीत शुरू करनी चाहिये वरना दिल्ली ही नहीं वरन सम्पूर्ण एनसीआर में अगले एक-दो दिनों में स्थिति बहुत बिगड़ सकती है। किसानों की लगभग वे ही मांगें हैं जिन्हें लेकर किसानों ने 5 नवम्बर, 2020 से 11 दिसम्बर, 2021 तक 378 दिनों का ऐतिहासिक आंदोलन किया था। इसमें 700 से अधिक किसानों की जान गयी थी। केन्द्र सरकार द्वारा चुपचाप लाये गये तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने लम्बा आंदोलन कर सरकार को उन्हें वापस लेने के लिये मजबूर किया था जिनका सीधा मकसद कारोबर जगत को लाभ पहुंचाना तथा देश की दशकों पुरानी व मजबूत मंडी प्रणाली को चौपट कर किसानों की उपजों को कौड़ी के भाव उद्योगपतियों व बड़े व्यवसायियों द्वारा खरीदने का रास्ता खोलना था।

'शायद मेरी तपस्या में कोई कमी रह गई' और 'हम इन कानूनों के लाभ किसानों को समझा नहीं पाये' जैसे भावपूर्ण शब्दों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन कानूनों को वापस तो लिया था, साथ ही किसानों की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन भी दिया था। इनमें प्रमुख मांग थी एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों के उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करना। आज के हालात ऐसे हैं कि उसके बाद इस दिशा में आगे कु छ भी नहीं हो पाया। यहां तक कि मोदी द्वारा साल 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुनी करने का जो वादा किया गया था, वह कहीं से भी पूरा नहीं हुआ। और तो और, काले कानूनों की अब भी तलवार अटकी हुई है। भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कुछ नेता संकेत दे चुके हैं कि दो-तीन माह बाद होने वाले लोकसभा चुनाव में अगर पार्टी बहुमत पाकर तीसरी बार सरकार बनाती है तो ये कानून लागू हो जायेंगे। किसानों की भी यही आशंका है।

इन हालात में मोदी आबू धाबी की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। देश गृह मंत्री अमित शाह व उनकी पुलिस के हवाले हैं जो बड़ी संख्या में हरियाणा-पंजाब से लगी सीमाओं पर किसानों पर यूं आंसू गैस के गोले बरसा रही है और छर्रे मार रही है जैसे कि किसान दुश्मन हों। दिल्ली की सीमाओं पर अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की तरह कंटीले तार व कीलें लगाई गई हैं। मंगलवार की रात से ही इन सीमाओं, खासकर शम्भू बॉर्डर पर पुलिस व हजारों की संख्या में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे आंदोलनकारी किसानों के बीच झड़पें चल रही हैं।

ड्रोन से आंसू गैस के गोले गिराने के साथ पुलिस किसानों के शरीरों के ऊपरी हिस्सों पर छर्रे मार रही है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे राहुल गांधी ने घायल हुए एक किसान गुरमीत सिंह से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना, जिनकी आंख के बिलकुल नजदीक तथा दोनों हाथों पर छर्रे लगे हैं। उनकी आंख तो बच गई पर सरकार से पूछा जाना चाहिये कि वह इनके साथ निर्ममतापूर्ण बर्ताव क्यों कर रही है। लोकतंत्र में रत्ती भर भरोसा न रखने वाली केन्द्र सरकार से यही उम्मीद की जा सकती है परन्तु उसे समझना होगा कि वार्ता के जरिये ही बातचीत का हल निकलेगा। मोदी सरकार का झुकाव हमेशा से ही कारोबारी व उद्योग जगत की ओर रहा है। उस पर दबाव है कि वह किसानों के आगे न झुके। मोदी को इस पद तक पहुंचाने वाली कापोर्रेट लॉबी ऐसा होने नहीं देगी। फिर, आने वाले समय में मोदी को व्यवसायियों व उद्योगपतियों का समर्थन तभी मिलेगा जब वह इन मांगों के आगे न झुके।

देखना होगा कि सरकार व किसानों का टकराव क्या रूप लेता है। किसान मजदूर मोर्चा एवं संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की ओर से छेड़े गये इस आंदोलन में फिलहाल किसानों का सबसे बड़ा संगठन भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) शामिल नहीं हैं परन्तु उसके राष्ट्रीय प्रवक्ता व प्रमुख नेता राकेश टिकैत ने चेतावनी दी है कि अगर आंदोलनकारियों के साथ ज्यादतियां हुईं तो बीकेयू के सदस्यों से ये आंदोलनकारी किसान एवं दिल्ली दूर नहीं है। केन्द्र सरकार को चाहिये कि किसानों पर होने वाली ज्यादतियों को रोके तथा उन्हें अपना शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने दें। यदि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड आदि के किसान भी इस लड़ाई में कूद पड़े तो स्थिति बेकाबू हो जायेगी। आंदोलन का दूसरा दिन हो चुका है और बातचीत की पहल करने की बजाय केन्द्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा एक तरफ तो वार्ता की तैयारी बतला रहे हैं, तो दूसरी ओर वे दिल्ली में लोगों को होने वाली कठिनाइयों के मद्देनजर पहले स्थिति को सामान्य करने में अधिक दिलचस्पी दिखला रहे हैं।

इसके साथ ही किसानों के पक्ष व विपक्ष में तो बयान आ रहे हैं, कुछ महत्वपूर्ण लोगों की चुप्पी भी सामने आ गई है जिनसे इस मौके पर कुछ कहे जाने की अपेक्षा थी। जिन एमएस स्वामीनाथन को हफ्ते भर पहले ही भारत रत्न दिया गया है, उनकी बेटी मधुरा ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा कि 'किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार न किया जाये।' उन्हीं के साथ जिन किसान नेता व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भी यही अलंकरण दिया गया, उनके पोते व राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी मौन हैं जो पुरस्कार दिये जाने से प्रभावित होकर संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया का साथ छोड़कर भाजपा प्रणीत एनडीए में शामिल हो गये हैं। उन्होंने अपने वे ट्वीट भी हटा दिये जो पिछले आंदोलन के दौरान किसानों के पक्ष में किये गये थे। जो भी हो, सरकार को चाहिये कि वह अविलम्ब किसानों से बातचीत कर उनकी मांगों को पूरा करे।

मारीशस के डोडो पक्षी की तरह कहीं किताबों में ही नहीं रह जाए हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर !

भारतीय समाज और संस्कृति में मोर या मयूर एक अलग ही स्थान रखने वाला पक्षी है। जानकारी देना चाहूंगा कि 26 जनवरी सन 1963 में मोर को भारत के राष्ट्रीय पक्षी का दर्जा दिया गया था। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज इस राष्ट्रीय पक्षी के अस्तित्व पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। कभी इस पक्षी का शिकार करने,कभी अधिक सर्दी व प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण, कभी जहरीले दाने डालने के कारण, कभी बिजली के तारों से चिपकने से,

तो कभी कुत्तों द्वारा मोर का शिकार होने के कारण यह राष्ट्रीय पक्षी दिन-ब-दिन खतरे में है। पंख और मांस के लिए अवैध शिकार, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों की खपत के कारण मृत्यु, किसानों द्वारा फसलों को नुकसान को रोकने के लिए जहर और पारंपरिक दवाओं के लिए विभिन्न भागों का प्रयोग भारतीय मोर के लिए बड़े खतरे साबित हो रहे हैं। यहां तक कि मोर का मांस परोसने का चलन बढ़ रहा है, क्यों कि इसके मांस को स्वादिष्ट माना जाता है और बेंगलुरु, तमिलनाडु, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से भी मामले सामने आए हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि मोर विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों से भी जुड़े हैं। विभिन्न धर्मों, लोक कथाओं और पौराणिक कथाओं में मोर की इस भूमिका ने जहां एक ओर पारंपरिक रूप से मोर को सुरक्षा प्रदान की और संरक्षित किया, वहीं दूसरी ओर दूसरा पहलू उनकी हत्या का कारण बन गया। जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में मध्यप्रदेश के जिले के कोलारस वन परिक्षेत्र के संगेस्वर गांव में एक ग्रामीण शिकारी ने नॉन वेज खाने के लिए राष्ट्रीय पक्षी मोर का ही शिकार कर लिया। नवंबर 2023 में अलीगढ़ में राष्ट्रीय पक्षी मोर की बिजली के तारों से चिपक कर मौत हो गई थी। जून 2023 में मीडिया के हवाले से खबर आई थी कि राजस्थान के

डीडवाना जिले में गच्छीपुरा थाना इलाके में 12 मोर मृत मिले थे। इसके बाद वहां चार मोर मृत पाए गए।उल्लेखनीय है कि मोरों को जहरीला दाना खिलाकर घुमंतू जाति के लोग शिकार कर रहे हैं। वातावरण में लगातार बदलाव और जंगलों के कटाव, बढ़ती आबादी (जनसंख्या), औधोगिकीकरण, शहरीकरण के कारण मोरों कि संख्या अब धीरे-धीरे घटने लगी है। पाठकों को यहां जानकारी देना चाहूंगा कि भारत के अलावा मोर किसी और देश का राष्ट्रीय पक्षी नहीं है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि इस वर्ष जनवरी में ही नन्दौली के मजरा जमोरिया में संदिग्ध परिस्थितियों में राष्ट्रीय पक्षी मोर का शव मिला था। फरवरी 2024 यानी कि इसी महीने में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से यह खबर आई थी कि सर्दी के कारण निमोनिया संक्रमण से तालछापर अभयारण्य से सटे गांव रामपुर की रोही में पिछले दो दिन में 28 मोर की मौत हो गई। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले रामपुरा तहसील मुख्यालय के अंतर्गत आने वाले समीपस्थ ग्राम जन्नोद में राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार कर उन्हें पकाने की तैयारी में कर रहे तीन शिकारियों को ग्रामीणों ने धार दबोचा था। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से पांच मृत मोर मिले थे । कुछ समय पहले किठौर,मेरठ में भी राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का एक मामला सामने आया था। पाठकों को बताता चलूं कि कुछ समय पहले मध्य प्रदेश के कटनी जिले में राष्ट्रीय पक्षी मोर से बर्बरता करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इस वीडियो में दिखा कि एक लड़का मोर के पंखों को बर्बरता पूर्वक नोंच रहा था और उसके साथ एक लड़की भी मौजूद थी । वर्ष 2022 में हरियाणा के रोहतक मालगाड़ी की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई थी। कुछ समय पहले

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कुछ अज्ञात कार सवार शिकारियों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर की हत्या कर दी थी। वर्ष 2017 में भी राजस्थान के बूंदी जिले के घाटोन में भी 16 मोर मृत मिले थे। फरवरी 2022 में एक दैनिक के हवाले से यह खबर आई थी कि राजस्थान के प्रतापगढ़ में साल 2018 के 1,078 मोर की संख्या के मुकाबले इस बार 329 घटकर 749 रह गई। यह पिछले 5 सालों की सबसे कम संख्या है। एक साल में ही लगभग एक चौथाई संख्या घटना वन्यजीव प्रेमियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना। एक राज्य से दूसरे राज्य और यहां तक कि विदेशों में भी मोर के पंखों की तस्करी होती है। जानकारी देना चाहूंगा कि सोलह सितंबर 2014 को केरल के कोच्चि हवाई अड्डे पर सिंगापुर जाने वाले एक यात्री से सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा 29.8 किलोग्राम मोर पंख जब्त किए गए थे। वर्ष 2020 में एक फर्म द्वारा लगभग 5.5 करोड़ मोर के पंखों की चीन में तस्करी की गई थी। करीब 2,565 किलोग्राम की खेप की कीमत 5.25 करोड़ रुपये थी और इसे 77 पैकेजों में पैक किया गया था?। यह भी जानकारी मिलती है कि आगरा और राजस्थान से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की मोर पंख की मांग पूरी की जाती हैं, जबकि ओडिशा ऐसे पंखों का सबसे बड़ा खरीदार है।हाल फिलहाल खबरें राजस्थान के भीलवाड़ा जिले से आ रही है। भीलवाड़ा से राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में जो खबर आई है, वह चौंकाने वाली है, क्यों कि इसके अनुसार भीलवाड़ा जिले का शुभंकर कहलाने वाले राष्ट्रीय पक्षी मोर की आबादी चालीस फीसदी घटी है। पुलिस के आंकड़े बताते है कि महज सात साल में मोर की हत्या के दो हजार से अधिक मामले दर्ज हुए हैं, जो कि एक बड़ी संख्या है। इनमें पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था ने 359 मुकदमे विभिन्न जिलों में दर्ज कराए। प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से आई खबर में बताया गया है कि पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था ने हाल ही में अजमेर जिले के बांदनवाड़ा कस्बे के बगराई चरागाह में 50 से अधिक मोरों एवं बूंदी जिले के नैनवा तहसील के भांडेड़ा में बांसी कस्बे के निकट 5 मोरों की जहरीले दाने डाल हत्या की प्राथमिकी सम्बंधित पुलिस अधीक्षक को दी। वन्य जीव प्रेमियों का आरोप है कि पुलिस और वन विभाग की अनदेखी व ढिलाई से शिकारी प्रतिदिन मोरों की हत्या कर रहे हैं। हत्या का मुख्य कारण मोर पंखों को महंगे दामों में बिकने और उनका मांस हासिल करना है।

विचार

चुनावी बांड मामले में अपने फैसले पर अब क्या कर रहा है सर्वोच्च न्यायालय?

- नित्य चक्रवर्ती

चुनावों में बराबरी का कोई मौका नहीं है। विपक्षी दलों की तुलना में भाजपा दस गुना से भी ज्यादा पैसा खर्च करने की स्थिति में है। जरूरत पड़ने पर दल-बदल कराने के लिए इसके पास एक विशाल युद्ध संदूक है। अब लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी भारी रकम खर्च करेगी। एक और किश्त अप्रैल के पहले सप्ताह में आयेगी और नियमों के अनुसार, बिक्री एक महीने से अधिक समय तक खुली रह सकती है क्योंकि यह आम चुनाव की पूर्व संध्या पर है।

सर्वोच्च न्यायालय तीन महीने से अधिक समय से विवादास्पद चुनावी बांड योजना की वैधता पर अपना निर्णय देने में पूरी तरह से चुप क्यों है? कई तारीखों पर सभी पक्षों को सुनने के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने 2 नवंबर, 2023 को सुनवाई पूरी की थी तथा निर्णय सुरक्षित रखा था। अब तीन महीने से अधिक समय बीत चुका है लेकिन रजिस्ट्रार के कार्यालय से कोई संकेत नहीं है कि फैसला जल्द दिया जा रहा है।

आदेश जो भी हो, बांड को मंजूरी देना या आदेश को रद्द करना वर्तमान समय में राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में इस साल अप्रैल/मई में आम चुनाव होने वाले हैं और सत्तारूढ़ दल भाजपा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फैसले पर की जा रही देरी का पूरा फायदा उठा रही है। अब तक जारी किये गये चुनावी बांड की 80 प्रतिशत से अधिक राशि के साथ भाजपा ने खुद को समृद्ध किया है।

2 जनवरी से 11 जनवरी, 2024 तक चली चुनावी बांड बिक्री के नवीनतम चरण में 570 करोड़ रुपये से अधिक के चुनावी बांड बेचे गये हैं। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चार याचिकाओं पर सुनवाई शुरू होने के बाद से यह बेचा गया चुनावी बांड का दूसरा बैच था। 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित चुनावी बांड योजना की वैधता को चुनौती देते हुए, अब तक 30 किश्तें बेची जा चुकी हैं और सबसे बड़ी लाभार्थी भाजपा रही है जो सत्तारूढ़ पार्टी है। चूंकि कॉरपोरेट कम्पनियां बांड के मुख्य खरीदार हैं, वे ज्यादातर सत्तारूढ़ शासन का पक्ष लेने के लिए भाजपा को दान देते हैं।

मूल चुनावी बांड योजना 2017 को अगले वर्ष2018 से लागू होने के बाद से कई याचिकाकताओं द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी, लेकिन पिछले साल अप्रैल में ही, भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डॉ डी वाई चंद्रचूड़ ने संकेत दिया था कि वह सुनवाई के लिए पांच सदस्यीय संविधान पीठ की स्थापना के बारे में फैसला करेंगे। उसके बाद से याचिकाओं पर पिछले साल 2 नवंबर को सुनवाई पूरी हुई थी। चुनावी बांड की 25वीं किश्त के मामले में, नरेंद्र मोदी सरकार ने 7 नवंबर 2022 को चुनावी बांड योजना के नियमों में जल्दबाजी में संशोधन करके औचित्य का उल्लंघन किया, ताकि उस वर्ष के दौरान अतिरिक्त पंद्रह दिनों के लिए बिक्री की अनुमति दी जा सके, ऐसे समय जब कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव होने वाले थे।

विचार

स्वाधीनता की अंतर्निहित शक्ति को आत्मसात कर वैश्विक नेतृत्व की जिजीविषा पैदा करें।

हमें स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष हो चुके हैं । हम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव वर्ष मना रहे हैं पर इस अमृत महोत्सव के पीछे हमें यह नहीं भूलना है कि भारत देश अब एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। अब समय आ गया है कि भारत के तमाम बुद्धिजीवियों,नौजवानों के वैज्ञानिकों और शिक्षित देशवासियों को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होने की क्षमता को द्विगुणित करना होगा और विश्व के एक प्रबल नेता की तरह हमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी होगी। कई वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेको जीवन का बलिदान देने और विभिन्न कठोर संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस स्वतंत्रता और स्वाधीनता के मूल्य और इसकी अंतर्निहित शक्ति को देश के नौजवानों,शिक्षित नागरिकों को आत्मसात कर इसे पहचानना होगा। समाज के हर वर्ग की खून पसीने और पीढीयों के संघर्ष के बाद प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है। स्वतंत्रता के महत्व को समझ कर भारत को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंचाना होगा तब जाकर स्वाधीनता के सही मायने फलीभूत होंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदान को किसी भी क्षणों में नहीं भुलाना चाहिए, हमें हाथ में रखकर किसी ने परोस के स्वतंत्रता नहीं दी है, इसके लिए बहाये हुए खून पसीने को विश्मृत न कर के इस की आन बान शान को हमेशा ऊंचा रखना होगा। कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए इसके लिए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि "भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है"।

वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं। पर राजनैतिक मंसूबों के कारण कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। पर यह एक अत्यंत विचारणीय पहलू है कि राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए केवल राजनेता या प्रशासनिक अधिकारियों का कार्य न होकर हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है। भारत देश में पूर्व में भी अनेक विदेशी जातियां आई और धीरे-धीरे भारत की मूल धारा में समाहित होती गई। भारत में आगमन के साथ इन्हीं जातियों की परंपराएं, विचारधाराएं, संस्कृति, संस्कार भारत की मुख्य धारा में एक रूप हो गई

और भारत की सांप्रदायिक सौहार्द की भावना आज भी वैसी की वैसी ही है। भारत के जिम्मेदार नागरिक होने के कारण हमारी बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इस देश की अखंडता एकता समरूपता और परंपरा को मजबूत बनाकर विश्व के सामने एक मिसाल के रूप में पेश करें। यह सार्वभौमिक सत्य है कि कोई देश यदि संगठित एक रूप और शक्तिमान होता है तो सारा विश्व उसकी इस ऊर्जा शक्ति को चिन्हित कर उसका सम्मान करता है। और उस पर आक्रमण या किसी भी तरह के प्रतिबंध लगाने से भयभीत रहता है। जब तक हम एकता के सूत्र में बंधे तब तक हम मजबूत एवं शक्तिशाली हैं और जब हम खंडित या विघटित हुए तब तब देश कमजोर हुआ है।

बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सवः धमाके में दो की मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूट इंटर कॉलेज में चल रहे बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव में रखी आतिशबाजी सामग्री में अचानक विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गयी। वहीं दो लोग जिंदगी-मौत के बीच झूल रहे हैं। पर्यटन विभाग के दो दिवसीय बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव में बुधवार को दोपहर 3.10 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बनाये मंच के पीछे रखी आतिशबाजी सामग्री में विस्फोट हो गया। इससे दो लोगों की मौके पर मौत हो गयी। वहीं कई लोग गम्भीर रूप से घायल हुए। घटना की जानकारी ही मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चित्रकूट इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ रणवीर सिंह चैहान व कॉलेज के अध्यक्ष पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा ने आरोप लगाया कि पर्यटन विभाग बिना अनुमति के कार्यक्रम करा रहा था। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी फुहडता थी। उन्होंने घटना को पर्यटन विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है।

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने बताया कि घटना स्थल पर कई थानों की पुलिस लगाई है। अस्पताल में भी पुलिस तैनात है। घायलों को पुलिस स्क्वायड के साथ प्रयागराज रवाना किया है। प्रयागराज के मेडिकल कॉलेज से सम्पर्क कर घायलों को बेहतर चिकित्सा मुहैया कराने को कहा है। कार्यक्रम का आयोजन उप्र शासन के निर्देश पर सभी जिलों में पर्यटन विभाग करा रहा था। इसी क्रम में पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव ने बताया कि अपरिहार्य कारणों से बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव के आगामी कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं।

घटना स्थल पर मौजूद डीएम-एसपी। घायलों को एम्बुलेंस से रवाना करती टीम।

घटना स्थल पर मौजूद डीएम-एसपी व घायलों को एम्बुलेंस से रवाना करती टीम।

चार मृतको की हुई शिनाख्त

चित्रकूट-बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव में हुए हादसे में काल के गाल में समाए चार लोगों की शिनाख्त देर शाम हो गई। मृतकों की हुई शिनाख्त कर्वी के मिशन चौराहा निवासी प्रभात पुत्र धर्मेंद्र, कर्वी माफी के विद्या नगर निवासी यश पुत्र विश्व प्रताप , पारस पुत्र कंशराज व मोहित पुत्र मुकेश के रूप मे हुई है। यह चारो छात्र थे और महोत्सव में घूमने गए थे। जहां चारो लोग दर्दनाक हादसे का शिकार हो गए थे।

दो मंजिला बिल्डिंग की छत पर जा गिरा युवक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मैं वहां पर काम कर रहा था। तभी बहुत तेज आवाज के साथ धमाका हुआ। मंच के पीछे आतिशबाजी के लिए बम रखे थे। उसी से विस्फोट हुआ है। विस्फोट इतना तेज था कि थोड़ी देर के लिए वहां पर हमको कुछ दिखाई नहीं दिया। मंच के आस-पास मौजूद लोग 15-20 फीट उछल कर दूर गिरे। विस्फोट से मरे लोगों के चीथड़े उड़ गए। एक युवक तो दो मंजिला भवन के छत पर जा गिरा।

सपा छात्रसभा के जिलाध्यक्ष बने रोहित यादव

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बनकट गांव के रोहित यादव को समाजवादी पार्टी के छात्रसभा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। राजनीति के प्रति विशेष लगाव व सामाजिक विचार के चलते रोहित यादव दिन-प्रतिदिन राजनीतिक सीढिओ को सफलतापूर्वक चढ़ने जा रहे हैं।

बुधवार को रोहित यादव ने बताया कि सन 2020 में उन्होंने पार्टी की सक्रिय सदस्यता ग्रहण की। सपा के प्रति विशेष लगाव को देखते हुए उन्हें समाजवादी छात्रसभा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया था। संघर्ष के चलते उन पर विश्वास जताते हुए बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्हें समाजवादी छात्रसभा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। छात्रसभा का जिलाध्यक्ष बनाने पर रोहित यादव ने पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव व जिला नेतृत्व को धन्यवाद ज्ञापित किया है। कहा कि पार्टी की जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निभायेंगे। छात्र, युवा, किसान, स्वास्थ्य व मजदूरों पर भाजपा सरकार के किए जा रहे शोषण का विरोध करेंगे। 2024 के चुनाव में जन-जन तक सपा की नीतियों व उनकी विचारधारा को पहुंचाने का काम करेंगे। रोहित यादव को सपा छात्रसभा का जिलाध्यक्ष बनाने पर सदर विधायक अनिल प्रधान, सपा जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुज यादव, अभिमन गुप्ता, मुकेश अंबानी, सुनील यादव, राजकुमार यादव, ज्ञानेंद्र सिंह, शिवम ओझा, विपिन पांडे आदि ने खुशी जताई।

जिलाध्यक्ष रोहित यादव।

नियम-कानून ताक पर रखकर चल रहा अवैध विद्यालय

किसी की नहीं सुनते शिक्षा माफिया

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के हल्दी डांडी में धड़ल्ले से बिना मान्यता प्राप्त अवैध विद्यालय चल रहा है। शासन के आदेश हैं कि अवैध विद्यालयों को बंद कराया जाए। इसके बाद भी शिक्षा विभाग के अधिकारी ऐसे विद्यालयों पर कोई कार्यवाही नहीं कर रहा। बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

ये मामला मानिकपुर तहसील के हल्दी डांडी शिवधारी प्राइमरी इंटर कॉलेज विद्यालय का है। इसका संचालन काफी दिनों से जारी है। पूर्व बीडीओ कृष्णदत्त पाण्डेय ने लोगों की शिकायत पर पिछले वर्ष इसे बंद करवाया था। उनके तबादले के बाद से ये विद्यालय पुनः संचालित हो गया है। ऐसे अवैध विद्यालयों के खिलाफ जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। शासन के आदेशों की अवहेलना की जा रही है। मानिकपुर खंड शिक्षा अधिकारी योगी सरकार की छवि धूमिजल कर रहे हैं। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी मानिकपुर मिथलेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उसको कई बार मना किया गया पर मानता ही नहीं है।

अवैध विद्यालय।

अतिवृष्टि से हुई क्षति का सरकार से मुआवजाः सदर विधायक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने जिले में अतिवृष्टि व ओलावृष्टि से हुई क्षति का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने बाबत जिलाधिकारी व मुख्य सचिव उप्र शासन को लिखे पत्र बताया कि 12 फरवरी की रात 12 बजे अचानक तेज बारिश से ओलावृष्टि के चलते किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गयी है।

ओलावृष्टि से सबसे ज्यादा गेहूं, सरसों, चना, मसूर, अलसी एवं अरहर को क्षति हुई है। किसान कर्ज लेकर अच्छे किस्म के बीज बोये थे। किसानों की फसल पूरी तरह से चैपट हो गयी है। लगभग 100 से 200 ग्राम तक के भारी भरकम ओले पड़े हैं। इससे फसल के साथ-साथ लोगों के खपरैल घर व बाहर रखी गृहस्थी की सामग्री क्षतिग्रस्त हुई है। जिले के कई गांव व मजरों में सौ फीसदी फसल बर्बाद हो गई है। लोग भूखे मरने की कगार पर आ गये हैं। कृषि के अलावा किसानों के पास अन्य कोई जीविका का साधन नहीं है। बीती रात भी कुछ जगहों पर बारिश हुयी है। इस मामले में विधायक ने जिलाधिकारी व मुख्य सचिव उप्र शासन से जिम्मेदार अधिकारियों से स्थलीय सत्यापन कराकर फसल क्षति का मुआवजा दिलाने की बात कही है।

तीस फिट गहरे गड्ढे में काम करते समय दबा मजदूर

दो घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाला जा सका

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अक्षयवट बाईपास तिराहे पर सीवर लाइन कंपनी की खोदी गई सड़क में तीस फिट नीचे गहराई में काम करते समय मजदूर दब गया। जिसे दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। निकालते समय मिट्टी धंसने से दूसरा मजदूर भी दब गया, लेकिन दोनो ही मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बुधवार को अक्षयवट बाईपास तिराहे पर सीवर लाइन कंपनी की खोदी गई तीस फिट गहरी सड़क पर काम करते समय मिट्टी धंसने से मजदूर दब गया। जिसके चलते हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया हुआ। आरसीसी सड़क की मिट्टी तीस फिट गहरे खोदने के कारण धंस गई। इससे काम कर रहा मजदूर दब गया। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू होते ही एक बार पुनः मिट्टी धंस गई। इससे रेस्क्यू ऑपरेशन में लगा दूसरा मजदूर भी मिट्टी में दब गया। जिससे मौके पर मौजूद लोगों के हाथ-पैर फूल गए। लगभग दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल जानकीकुण्ड में इलाज को भर्ती कराया गया। मौके पर मौजूद एसडीओपी चित्रकूट रोहित राठौर ने बताया कि दोनो मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल कर इलाज को भेजा गया है। पूर्व सांसद प्रतिनिधि/स्थानीय भाजपा नेता काशी त्रिपाठी ने सीवर लाइन कंपनी समेत सीवर लाइन के स्थानीय इं पारस पर आरोप लगाया कि सीवर लाइन कंपनी ने एक साथ चित्रकूट की सड़कों को खोदकर फेंक दिया है। चित्रकूट धार्मिक स्थल है। जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रृद्धालु भक्त आते हैं। जिस समय मजदूर मिट्टी में दबा, उस समय इं पारस व ठेकेदार दोनो मौके पर मौजूद थे। मजदूर के मिट्टी में दबने की खबर सुनकर दोनो मौके से भाग निकले। काशी त्रिपाठी ने कहा कि सीवर लाइन निर्माण कार्य में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

गड्ढे से मजदूर को निकालते लोग।

मृतकों के परिजनों को पचास लाख मुआवजा दे सरकारः अमित

किसकी अनुमति से विस्फोटक पदार्थ गया अन्दरः रुद्र

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। माकपा जिला सचिव का रुद्र प्रसाद मिश्रा ने बुंदिलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम में हुए विस्फोट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकारी आयोजन है। इसमें सरकार व प्रशासन की घोर लापरवाही है। किसकी अनुमति से विस्फोटक पदार्थ अंदर गया। विस्फोटक पदार्थ रखने का लाइसेंस किसके पास है। आतिशबाजी करने का सरकार या जिला प्रशासन का यदि निर्णय था तो आतिशबाजी को लाये विस्फोटक पदार्थ को चेक किया गया या नहीं। विस्फोटक पदार्थ किसकी लापरवाही से फटे। इसके लिए कोई साजिश तो नहीं रची गई। अभी तक प्रशासन जनता को सच्चाई से अवगत क्यों नहीं करा रही।

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूट इंटर कालेज में बुंदेलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम स्थल में हुए बड़े विस्फोट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी जिला सचिव का अमित यादव एड ने विस्फोट से दो लोगो की मौके पर मौत व दो लोगों के घायल होने पर दुःख जताया है। बुधवार को का अमित यादव ने कहा कि जीवन से खिलवाड़ करने वाले इस आतिशी समारोह की अनुमति कैसे जिला प्रशासन व विद्यालय प्रशासन ने दी। इस बड़े हादसे की प्रशासनिक लीपापोती की जा रही है। इस घटना की न्यायिक जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी व विभागीय कार्यवाही कर घटना में मृतकों के परिजनों को सरकार पचास लाख रुपए व घायलों के परिवार को पच्चीस लाख रुपए का मुआवजा दे अन्यथा भाकपा आन्दोलन को बाध्य होगी।

ज्ञान के समान पवित्र करने वाला दूसरा कुछ नहीं

धूमधाम से मना प्राकटोत्सव दिवस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर मां सरस्वती का प्राकटोत्सव दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड के निर्देश पर सदस्य किशोर न्याय बोर्ड अर्चना श्रीवास्तव व शिवशंकर त्रिपाठी ने मां सरस्वती पर माल्यार्पण व दीप जलाकर किया।

बुधवार को कार्यक्रम में संवासियों ने सरस्वती वंदना गीत व भाषण पेश किया। योगाचार्य संजय कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संवासियों से कहा कि इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला दूसरा कुछ नहीं है। सहायक अधीक्षक वीर सिंह ने सभी को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए सत्यार्थ पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में सहपरीक्षा अधिकारी अंजना पौडवाल, कला शिक्षक अशोक कुमार पटेल, परामर्शदाता दीपक शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन यादव, मूलचंद आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूवार करते अतिथिगण।

आतिशबाजी की क्या जरूरत थीः पूर्व सांसद

कार्यक्रम में विस्फोटक लाकर किया गलत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बुंदेलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम में हुए बड़े हादसे को लेकर पूर्व भाजपा सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा ने कहा कि बुंदेलखंड गौरव महोत्सव कार्यक्रम में आतिशबाजी की क्या जरूरत थी।

कार्यक्रम में बुंदेलखंड की संस्कृति दिखाई जानी थी, लेकिन पर्यटन विभाग ने यहां बड़े-बड़े पटाखे को लगाकर गलत किया। साथ ही अग्निशमन व कोई सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए। पूरे मामले में पर्यटन अधिकारी व संबंधित अधिकारी दोषी हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए। पूर्व भाजपा सांसद भैरो प्रसाद मिश्रा घटना को लेकर मीडिया के सामने बेहद चिंतित व आक्रोशित नजर आये।

अवैध तमंचा-कारतूस समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक मऊ राजेश कुमार द्विवेदी की अगुवाई में दरोगा इन्द्रजीत गौतम ने सुनील कुमार निषाद पुत्र भाईलाल निवासी बराछी को एक देशी तमंचा 315 बोर व दो कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ मऊ थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा इंद्रजीत गौतम व सिपाही राहुल पाण्डेय शामिल रहे।

पर्यावरण संतुलन को जनान्दोलन से वृक्षारोपण को दें बढावाः डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने जिला पर्यावरण व जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश की हरियाली व बढ़ते प्रदूषण तथा पर्यावरण संतुलन बनाने को प्रदेश सरकार से हरित आवरण में वृद्धि को जन आंदोलन से वृक्षारोपण को बढ़ावा देना है।

बुधवार को जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य वन नीति में व्यापक स्तर पर जन सामान्य विशेषकर महिलाओं, विद्यार्थियों, किसानों, दिव्यांग एवं दृष्टि बाधित, पूर्व सैनिकों समाज के अल्प आय वाले व्यक्तियों व वनों के समीप रहने वाले लोगों के सहयोग से वानिकी कार्य को जन सहभागिता में चलाने पर जोर दिया। 2024-25 में वृक्षारोपण का लक्ष्य 7220520 है। विभिन्न विभाग हर वर्ष की भांति वृक्षारोपण करेंगे। दिव्यांग विद्यालय, समाज कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, जल निगम, जिला पंचायत, मंडी समिति, नेडा, एलडीएम विभाग, जमीन व कैंपस उनको भी लक्ष्य दिया जाए। विरासत वृक्ष वाटिका, जलाशय के किनारे वृक्षारोपण व मित्र वन भी लगाए जाएंगे। संबंधित विभागों को जो लक्ष्य दिया है उसे समय से पूरा करायें। प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिये कि जो पेड़ काटे जा रहे हैं, उनके स्थान पर चिन्हित स्थलों पर वृक्षारोपण भी करवायें। प्रदेश में जो अच्छे वृक्ष हैं, 25-30 वृक्ष गणेश बाग में लगवाय

इससे गणेश बाग की सुन्दरता बढ़ेगी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी व अधिशासी अधिकारी कर्वी को निर्देश दिये कि नदियों किनारे साफ-सफाई करायें। प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिये कि विस्फोटक सामान से नदियों में जो मछली मारते हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही करें। जिले में प्रमुख स्थानों पर हो रहे भंडारों में संत-महात्माओं से बात कर शपथ दिलायें कि थमाकोल से बने दोना-पत्तल का प्रयोग न कर वृक्ष के दोने-पत्तल का प्रयोग करें। जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देश दिये कि सभी अधिशासी अधिकारियों से एक महीने में कितने पॉलिथीन पकड़े, कितने पर जुमार्ना हुआ। इसका चार्ट बनाकर अगली बैठक में दें। नालों को कितने टैप किए गए हैं, इसकी सूची बनायें। जिला अस्पताल व होटल से निकलने वाले अपशिष्ट का भी प्रबंध सुनिश्चित करायें। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिये कि कूड़ा जलाते पकड़े जायेंगे तो संबंधित कर्मचारी का वेतन काटा जाएगा। इस मौके पर सीडीओ श्रीमती अमृतपाल कौर, प्रभागीय वनाधिकारी/उप निदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व डा नरेंद्र सिंह, उप कृषि निदेशक राजकुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुभाष चंद्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लव प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

सभागार में समीक्षा बैठक करते जिलाधिकारी।

बोटिंग का आनन्द लेते डीएम आदि।

नारियों का सम्मान हमारी सनातन संस्कृतिः अनिल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा दोनों विधान सभाओं मे नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत महिलाओं के सम्मान को कार्यक्रम हुआ। इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलायें व समाजिक सस्थाओं से जुडी महिलायें मौजूद रहीं। बुधवार को समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बुन्देलखण्ड क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रभारी अनिल यादव, जिलाध्यक्ष लवकुश चतुवेर्दी, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल, चेयरमैन कर्वी नरेन्द्र गुप्ता, अभियान संयोजक महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, महामंत्री आलोक पाण्डेय, मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी, विनीता द्विवेदी मौजूद रहे। महिला सम्मान समारोह में अनिल यादव ने कहा कि नारियों का सम्मान हमारी सनातन संस्कृति की परम्परा रही है। प्रधानमंत्री मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सभी योजनाओं को महिलाओ से जोडने का काम किया है। इससे महिलाओ का सम्मान बढा है। जिलाध्यक्ष लवकुश चतुवेर्दी ने कहा कि नारी शक्ति का रूप होती है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को समूहों से जोडकर उनको आर्थिक रुप से मजबूत करने का काम कर रही है। समूहो से आर्थिक सहायता देकर उनको स्वालम्बी बनाने का काम किया है। महिलाओं स्वयं सहायता समूहो से स्वयं रोजगार कर रही हैं महिलाओ को रोजगार देने का काम कर रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा कि महिलाओं के सम्मान समारोह के कार्यक्रम भाजपा सरकार मे होते हैं। अन्य दलो मे ऐसा सम्भव नही है। चेयरमैन नरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि भाजपा सरकार मे महिलाओ का सम्मान बढा है। इस मौके पर बृजेश पांडे, गौरव करवरिया, सुनीता श्रीवास, अंजली सिह, सीमा देवी, कृष्णा, लक्ष्मी देवी, शीला रैकवार, नीतू, मधू, चेतना, उमा आदि मौजूद रहे।

समारोह में मौजूद भाजपाई।

हेरिटेज वाक व योगा में प्रथम सौ लोगों को दी टी-शर्ट

मडफा किले के बारे में छात्रों को दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश ने बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में हॉट एयर बैलून की उडान सवेरे साढे छह बजे सीआईसी मैदान से हॉट एयर बैलून की पलाइट ने स्टार्ट की। विद्यार्थियों को योगा/हेरिटेज वाक व योगा में आने वाले प्रथम सौ लोगों को बुंदेलखंड गौरव महोत्सव की टी-शर्ट गणेश बाग में दी गयी। योगा में बेसिक विद्यालय कम्पोजित के सभी ब्लाकों के 50 छात्र, 50 अध्यापकों के साथ दो सौ लोगों ने योगाभ्यास किया।

बुधवार को मडफा किले की हेरिटेज वॉक/स्प्रिंचुवल वॉक में गोस्वामी तुलसीदास स्नातक कॉलेज के 50 विद्यार्थी, जो युवा पर्यटन क्लब के मेम्बर, सेन्ट थामस के 15 विद्यार्थी, बेसिक विद्यालय के 50 छात्र-छात्रों, दिव्यांग विश्वविद्यालय के 50 छात्र समेत सभी को बस से वॉक कराया गया। हेरिटेज वॉक का शुभारम्भ कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने की।

मडफा किले के एतिहासिक धरोहर के बारे मे विद्यार्थियों को जानकारी दी गयी। वाटर स्पोर्टस के तहत जेटस्की बोट से गुंता बांध में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी सुरेंद्र कुमार, तहसीलदार मानिकपुर ने चलाया। जिसमें सभी युवकों ने बोटिंग का आनन्द लिया।

खूबियों से सराबोर है अबू धाबी का पहला हिंदू मंदिर, PM मोदी करेंगे उद्घाटन

अबू धाबी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबू धाबी में जिस पहले हिंदू मंदिर का बुधवार को उद्घाटन करेंगे उसे वैज्ञानिक तकनीकों और प्राचीन वास्तुकला विधियों का उपयोग करके बनाया गया है। दुबई-अबू धाबी शेख जायेद हाइवे पर अल रहबा के समीप स्थित बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित यह हिंदू मंदिर करीब 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है।इस मंदिर में तापमान मापने और भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। मंदिर के निर्माण में किसी भी धातु का उपयोग नहीं किया गया है और नींव को भरने के लिए उड़न राख यानी 'फ्लाई ऐश' (कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाली राख) का उपयोग किया गया है। इस मंदिर को करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है।

मंदिर प्राधिकारियों के अनुसार, इस भव्य मंदिर को 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्रों' में वर्णित निर्माण की प्राचीन शैली के अनुसार बनाया गया है। 'शिल्प' और 'स्थापत्य शास्त्र' ऐसे हिंदू ग्रंथ हैं, जो मंदिर के डिजाइन और निर्माण की कला का वर्णन करते हैं।

बीएपीएस के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने 'पीटीआई' से कहा, ''इसमें वास्तुशिल्प पद्धतियों के साथ वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। तापमान, दबाव और गति (भूकंपीय गतिविधि) को मापने के लिए मंदिर के हर स्तर पर उच्च तकनीक वाले 300 से अधिक सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर अनुसंधान के लिए लाइव डेटा प्रदान करेंगे। यदि क्षेत्र में कोई भूकंप आता है, तो मंदिर इसका पता लगा लेगा।''मंदिर के निर्माण प्रबंधक मधुसूदन पटेल ने 'पीटीआई' से कहा ''हमने मंदिर में गर्मी प्रतिरोधी नैनो टाइल और भारी ग्लास पैनल का उपयोग किया है जो पारंपरिक सौंदर्यात्मक पत्थर संरचनाओं और आधुनिक कार्यक्षमता का मेल है। संयुक्त अरब अमीरात में अत्यधिक तापमान के बावजूद श्रद्धालुओं को गर्मी में भी इन टाइल पर चलने में दिक्कत नहीं होगी। मंदिर में अलौह सामग्री का भी प्रयोग किया गया है।''

इजरायली टैंकों ने रफाह में बरसाए गोले, 24 घंटे में 133 फलस्तीनी की मौत; बेनतीजा रही काहिरा वार्ता

रायटर। अमेरिका, इजरायल, मिस्त्र और कतर के वार्ताकार काहिरा में इजरायल हमास युद्ध का समाधान निकालने में विफल रहे। इस बीच, इजरायली टैंकों ने रफाह के पूर्वी इलाके में सोमवार को रातभर गोले बरसाए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बीते 24 घंटे में 133 फलस्तीनी मारे गए हैं।

विफल रही वार्ता

उल्लेखनीय है मिस्त्र की राजधानी काहिरा में अमेरिका, मिस्त्र, इजरायल और कतर के वरिष्ठ अधिकारियों ने बंधकों की रिहाई, स्थायी युद्धविराम को लेकर तीन चरण की रूपरेखा तैयार करने के लिए मंगलवार को वार्ता शुरू। इजरायली खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड बर्नी भी वार्ता में शामिल हुए। लेकिन इस बातचीत में किसी बिंदु पर सहमति नहीं बन सकी।

इजरायल ने फलस्तीनी लड़ाकों को मार गिराया

इजरायल ने मंगलवार को दावा किया है कि उसने दक्षिणी और मध्य गाजा में बीते 24 घंटे में संघर्ष के दौरान दर्जनों फलस्तीनी लड़ाकों को मार गिराया है, इसमें रफाह से सटे शहर खान यूनिस के 30 लोग शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजरायली हमले में मध्य गाजा के नुसरत शरणार्थी कैंप में सोमवार रात 16 फलस्तीनी मारे गए हैं।

पश्चिम से पूर्व की ओर आगे बढ़ रहे इजरायली टैंक

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि इजरायली टैंक पश्चिम से पूर्व की ओर आगे बढ़ रहे हैं वे नागरिकों पर लगातार गोलाबारी कर रहे हैं। हालांकि, स्थानीय निवासियों ने कहा कि इजरायल ने यहां अभी जमीनी कार्रवाई नहीं शुरू की है। इजरायली बलों ने रफाह के शरणार्थी कैंपों में शरण लिए लोगों को वहां से जाने का आदेश दिया है।

पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनने की संभावना, शहबाज शरीफ बन सकते हैं अगले प्रधानमंत्री

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की अगुवाई में प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन के अगली सरकार बनाने के लिए आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार करने की संभावना के साथ उनका देश का नया प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है

इंटरनेशनल डेस्क. पाकिस्तान में शहबाज शरीफ की अगुवाई में प्रमुख राजनीतिक दलों के गठबंधन के अगली सरकार बनाने के लिए आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार करने की संभावना के साथ उनका देश का नया प्रधानमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है और इसके साथ ही चुनाव में मिले खंडित जनादेश के बाद सरकार के भविष्य को लेकर लगायी जा रही अटकलें खत्म हो जाएंगी। शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के आसिफ अली जरदारी, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के खालिद मकबूल सिद्दीकी ने मंगलवार रात को पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद (पीएमएल-क्यू) के शुजात हुसैन के आवास पर मुलाकात की और सरकार गठन पर सहमति जतायी। शरीफ ने बैठक में उपस्थित अन्य नेताओं का आभार जताते हुए कहा, ''आज हम देश को यह बताने के लिए एकजुट हुए हैं कि हमने खंडित जनादेश स्वीकार कर लिया है। मैं जरदारी और बिलावल (भुट्टो) का आभारी हूं कि उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन करने का फैसला किया है। पीएमएल-एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ ने देश के प्रधानमंत्री पद के लिए पार्टी अध्यक्ष और अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को नामांकित किया है। उन्होंने बताया कि पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए नामांकित किया गया है। उन्होंने कहा, ''नवाज शरीफ ने उन राजनीतिक दलों का आभार जताया है

जिन्होंने आगामी सरकार बनाने में पीएमएल-एन का समर्थन किया है और उन्होंने उम्मीद जतायी कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा। अप्रैल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद प्रधानमंत्री बने शहबाज ने कहा कि अन्य दलों ने पीएमएल-एन से हाथ मिला लिया है जिसके पास चुनाव के बाद संसद में ''तकरीबन दो तिहाई बहुमत है। उन्होंने यह भी कहा कि नयी सरकार देश को मुसीबत से बाहर निकाल लाएगी। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग के अनुसार, छह दलों -पीएमएल-एन, पीपीपी, एमक्यूएम-पी, पीएमएल-क्यू, आईपीपी (इस्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी) और बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) द्वारा जीती गयी कुल सीटों की संख्या 152 है।

इन सभी ने शहबाज शरीफ के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की अपनी योजना की घोषणा की है। यह साफ तौर पर दिखाता है कि ये दल 60 महिला और 10 अल्पसंख्यक सीट अतिरिक्त मिलने के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए आवश्यक 169 के आंकड़े को आसानी से हासिल कर लेंगे। हालांकि, यह देखना होगा कि क्या ये दल 224 के जादुई आंकड़े को हासिल कर लेंगे जो 336 सदस्यीय नेशनल असेंबली में दो तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक संख्या है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने कहा कि पीएमएल-एन के लिए सबसे अच्छा विकल्प ''अपनी हार को शीलनता से स्वीकार करना और उनकी पार्टी के संस्थापक इमरान खान को ''देश को संकट से उबारने देना है। आठ फरवरी को हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने 101 सीटें जीती हैं जिसमें से अधिकतर पीटीआई द्वारा समर्थित उम्मीदवार थे।

दक्षिण कोरियाई सेना का बयान- उत्तर कोरिया ने जलक्षेत्र में फिर दागीं क्रूज मिसाइल

इंटरनेशनल डेस्क. दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने उसके पूर्वोत्तर तट के जलक्षेत्र में कई क्रूज मिसाइल दागी हैं। कोरिया प्रायद्वीप में पहले से ही व्याप्त तनाव के बीच उत्तर कोरिया का जनवरी के बाद से यह पांचवां परीक्षण है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने हथियारों का परीक्षण और तेज कर दिया है और दक्षिण कोरिया एवं अमेरिका के साथ परमाणु संघर्ष संबंधी उकसाने वाले बयान दिए हैं।उत्तर कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरिया और अमेरिका की सेनाएं

परीक्षणों का विश्लेषण कर रही हैं जो पूर्वी तटीय शहर वॉनसन के पूर्वोत्तर में जलक्षेत्र में दागी गई। दक्षिण कोरिया की सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि उत्तर कोरिया ने कितनी मिसाइल दागीं और ये कितनी दूरी पर जाकर गिरीं। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या मिसाइल जमीन से दागी गईं या समुद्र में स्थित किसी संसाधन से दागी गईं।ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा, ''हमारी सेना ने सतर्कता एवं निगरानी बढ़ा दी है और हम हमारे अमेरिकी सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं तथा उत्तर कोरिया से किसी भी अन्य गतिविधि के संकेतों पर निकटता से नजर रख रहे हैं।

उत्तर कोरिया का इस साल यह पांचवां क्रूज मिसाइल परीक्षण है। इसके अलावा उसने 16 जनवरी को ठोस ईंधन चालित मध्यम दूरी की एक नयी हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था जो क्षेत्र में अमेरिका के दूरस्थ ठिकानों पर हमला कर सकती है।

चीन की उड़ने वाली ट्रेन मैग्लेव के नाम जुड़ी नई उपलब्धि, तोड़ा अपना ही 623 किमी घंटे की स्पीड का रेकॉर्ड

बीजिंग.चीन की मैग्नेटिकली लैविटेटेड यानी मैग्लेव ट्रेन ने स्पीड के मामले में नया रेकॉर्ड बनाया है। इस ट्रेन ने बीते साल अक्टूबर में एक घंटे में 623 किलोमीटर चलने का कीर्तिमान स्थापित किया था। ट्रेन ने रफ्तार के अपने ही रेकॉर्ड को तोड़ दिया है, हालांकि नई स्पीड की सटीक जानकारी अभी नहीं दी गई है। चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन (सीएएसआईसी) ने दावा किया है कि उसकी मैग्लेव ट्रेन ने केवल 2 किमी लंबी लो-वैक्यूम ट्यूब में टेस्ट के दौरान 623 किलोमीटर प्रति घंटे (387 मील प्रति घंटे) के अपने पिछले रेकॉर्ड को पार कर लिया है। कॉर्पोरेशन ने कहा कि उसने अपने नवीनतम परीक्षण के साथ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह पहली बार था कि अल्ट्रा-फास्ट हाइपरलूप ट्रेन ने कम-वैक्यूम ट्यूब में यात्रा करते हुए स्थिर लेविटेशन हासिल किया। मैग्लेव ट्रेन का ट्रेस्ट की कामयाबी का मतलब है कि भविष्य में चीन के पास एक ऐसी ट्रेन होगी, जो किसी हवाई जहाज जितनी तेज रफ्तार से दौड़ेगी।सीएएसआईसी ने बताया है कि हाई-स्पीड फ्लायर प्रोजेक्ट एयरोस्पेस और रेल ट्रांसपोर्ट टेक्नोलॉजी को एक कर रहा है।

पाकिस्तान की राजनीति में बड़ा उल्टफेर : नवाज-बिलावल नहीं, इस नेता के हाथ लगी पाकिस्तानी PM की कुर्सी!

लाहौरः पाकिस्तान में हुआ आम चुनाव की विश्वसनीयता पर उठ रहे सवालों के बीच नए पीएम का चुनाव कर लिया गया है। इस चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में मुल्क में पीएमएल-एन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनेगी। लेकिन, खास बात यह है कि पीएमएल-एन के शीर्ष नेता नवाज शरीफ और दूसरे सबसे अहम दल पीपीपी के प्रमुख बिलावल भुट्टो को यह ताज नहीं मिल रहा है।पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ को उनकी पार्टी ने मंगलवार रात

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया है। पीएमएल-एन की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने 'एक्स पर कहा कि पार्टी सुप्रीमो नवाज शरीफ (74) ने अपने छोटे भाई शहबाज शरीफ (72) को प्रधानमंत्री पद के लिए और बेटी मरियम नवाज (50) को पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किया है। न्होंने कहा, ''नवाज शरीफ ने पीएमएल-एन को (आगामी सरकार बनाने में) समर्थन देने वाले राजनीतिक दलों को धन्यवाद दिया है और उम्मीद जताई है कि ऐसे फैसलों से पाकिस्तान संकट से बाहर आ जाएगा।

जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को छोड़कर प्रमुख पार्टियों ने घोषणा की है कि वे पीएमएल-एन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश करेंगे।

Pakistan Election पर व्हाइट हाउस ने दी पहली प्रतिक्रिया, कहा- पारदर्शिता की है जरूरत, जनता की इच्छा का करें सम्मान

वाशिंगटन। पाकिस्तान चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पीएमएल एन की ओर से प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया गया है। वहीं पीटीआई चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही है।

इस बीच, व्हाइट हाउस ने पाकिस्तान में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने का आह्वान किया है और कहा है कि पाकिस्तानी लोगों की इच्छा का सम्मान करने की जरूरत है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने मंगलवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन पाकिस्तान में चुनावों से अवगत हैं।

राष्ट्रपति बाइडन पाकिस्तान चुनाव को लेकर अच्छे से वाकिफ

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा, राष्ट्रपति इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि पिछले हफ्ते लाखों पाकिस्तानियों ने मतदान किया है।

चुनाव में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएं, धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के सदस्य और युवा मतदाता शामिल हुए थे।

यूक्रेन युद्ध से पीछे हटे पुतिन तो हो जाएगी उनकी हत्या, एलन मस्क का दावा

दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के स्पेसेज में ये दावा किया। उनके साथ इसमें कुछ सीनेटर्स भी शामिल थे

को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के स्पेसेज में ये दावा किया। उनके साथ इसमें कुछ सीनेटर्स भी शामिल थे, जो इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि रूस के खिलाफ यूक्रेन को आर्थिक मदद देने का फैसला सही है या गलत। जिन सांसदों ने इस चर्चा में हिस्सा लिया, उनमें विस्कॉन्सिन के रॉन जॉनसन, ओहायो के जेडी वान्स, यूटाह के माइक ली के अलावा विवेक रामास्वामी और क्राफ्ट वेंचर्स के सह-संस्थापक डेविड सैक्स शामिल रहे।इस चर्चा के दौरान ही रॉन जॉनसन ने कहा कि जो भी रूस के खिलाफ यूक्रेन की जीत की उम्मीद कर रहे हैं, वे असल में एक सपने की दुनिया में जी रहे हैं। इस पर मस्क ने सहमति जताते हुए कहा कि पुतिन यूक्रेन में हार ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी नागरिक यूक्रेन की मदद के लिए अमेरिकी संसद में लाए गए विधेयक को लेकर अपने प्रतिनिधियों से संपर्क करेंगे। इस खर्च से यूक्रेन को कोई मदद नही मिलेगी। युद्ध बढ़ाने से यूक्रेन का कोई भला नहीं होगा। मस्क ने कहा कि पुतिन पर पहले ही यूक्रेन में युद्ध को जारी रखने का भारी दबाव है। अगर वे पीछे हटते हैं तो उनकी हत्या भी हो सकती है। उन्होंने साफ किया कि कई लोग उन्हें पुतिन के समर्थन में बयान देने वाला मानते है, लेकिन ऐसा नहीं है। मस्क ने कहा कि उनकी कंपनियों ने रूस को पीछे धकेलने के लिए जितना किया है, उतना शायद ही किसी और कंपनी ने किया हो। इस दौरान उन्होंने यूक्रेनवासियों को दी जाने वाली स्टारलिंक इंटरनेट सेवा का भी जिक्र किया, जिसके जरिए यूक्रेनी सेना रूस के खिलाफ आसानी से संचार व्यवस्था बनाए रख पा रही है।

राष्ट्रपति बाइडन और रिपब्लिकन के प्रमुख नेता से अलग हैं मस्क के विचार

टेस्ला संस्थापक के ये विचार अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और सीनेट में रिपब्लिकन नेता मिच मैक्कोनेल से बिल्कुल अलग हैं। दरअसल, अमेरिकी संसद के उच्च सदन में यूक्रेन को आर्थिक मदद पहुंचाने पर सहमति बनी है। इन दोनों पक्षों का मानना है कि अमेरिका और उसके साथियों के हितों के लिए यूक्रेन को रूस के खिलाफ मजबूत रखना जरूरी है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

अमेरिकी रक्षा मंत्री के स्वास्थ्य में सुधार, अस्पताल से छुट्टी; जल्द संभालेंगे जिम्मेदारियां

70 साल के ऑस्टिन दिसबर में सर्जरी के बाद से ही स्वास्थ्य मुद्दों से जूझ रहे हैं। रविवार को हालत खराब होने पर उन्हें वाल्टर रीड वापस ले जाया गया था।

वॉशिंगटन. अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की तबियत में सुधार है। उन्हें मंगलवार को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर से छुट्टी दे दी गई है। दरअसल, ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर है, जिसके इलाज के लिए एक सर्जरी की गई थी। अब वह जल्द ही अपने काम पर वापस लौटेंगे।70 साल के ऑस्टिन दिसबर में सर्जरी के बाद से ही स्वास्थ्य मुद्दों से जूझ रहे हैं। रविवार को हालत खराब होने पर उन्हें वाल्टर रीड वापस ले जाया गया। सोमवार को जनरल एनेस्थीसिया के तहत उनकी नॉन सर्जिकल सर्जरी की गई।

स्वास्थ्य में सुधार हो रहा

अमेरिकी रक्षा विभाग ने कहा, उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और आज शाम पांच बजे वह अपने कामकाज को फिर से शुरू कर रहे हैं। उप रक्षा सचिव, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ, व्हाइट हाउस को इसकी सूचना दे दी गई है। आगे कहा गया, ऑस्टिन इस सप्ताह के अंत में पेंटागन में काम पर लौटने से पहले कुछ समय तक घर से ही काम करेंगे।

दो महीने से बीमार हैं ऑस्टिन

ऑस्टिन 21 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार मिनिस्ट्री पहुंचे थे। इस दौरान उनकी प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी हुई। वो दो बार हॉस्पिटल में एडमिट हुए। एक वक्त तो ऐसा आया जब करीब छह दिन तक राष्ट्रपति और संसद समेत उनके स्टाफ तक को जानकारी नहीं थी कि ऑस्टिन कहां हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और व्हाइट हाउस से इस बारे में सफाई मांगी गई। रिपब्लिकन पार्टी और यहां तक कि जो बाइडन की डेमोक्रेट पार्टी के कई सदस्यों ने ऑस्टिन को बर्खास्त करने की मांग की, लेकिन बाइडन ने कोई एक्शन नहीं लिया और इस तरह उनकी कुर्सी बच गई।29 जनवरी को ऑस्टिन ने नाटो सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग से मुलाकात की थी। इसके बाद कहा- देश और दुनिया के लिए यह वक्त बेहद अहम है। मैं पेंटागन में वापसी से खुश हूं। हालांकि, सर्जरी के बाद अब भी रिकवर कर रहा हूं। हालांकि, बाद में फिर तबियत बिगड़ गई थी, जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया था।

हमारे क्षेत्र के लिए भारत एक महत्वपूर्ण आसियान के महासचिव होर्न

आसियान के महासचिव डॉक्टर काओ किम होर्न ने कहा हम इस बात की सराहना करते हैं कि भारत आसियान के नेतृत्व वाले सभी तंत्रों की केंद्रीयता का समर्थन करता रहा है। स्पष्ट रूप से, हम देख रहे हैं कि भारत आसियान के साथ मिलकर पहलों, कार्यक्रमों और गतिविधियों के मामले में आगे रहा है।

होर्न ने आगे कहा, आसियान और चीन के बीच, जो निश्चित रूप से अब हम सीओसी वार्ता पर काम कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि हम दक्षिण चीन सागर में स्थिति का प्रबंधन कैसे कर सकते हैं। ये द्विपक्षीय रूप से बातचीत के माध्यम से किए जाने होंगे।